आश्विन शुक्ल - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 68 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 30-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री मोदी के 'पंच प्रण' ही विकसित भारत की आधारशिला : आदित्यनाथ

6 भीड़, हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

7 कृष्णा श्रॉफः जनता की छोरी और छोरियां चली गांव की धड़कन

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु में नर्स की हत्या के बाद पति ने फांसी लगाई

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु में एक नर्स की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या करने के बाद उल्लाल स्थित अपने घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे प्रकाश में आई। रात को पीड़िता के पिता पेरियास्वामी अपने रिश्तेदारों के साथ तुमकुरु से लौटे और उन्होंने सरकारी प्रेस लेआउट स्थित अपने घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया था। घर के मालिक से अतिरिक्त चाबी प्राप्त करने के बाद वे अंदर गए जहां उनकी बेटी मंजू (27) और उसके पति धर्मसीलन (29) के शव एक ही कमरे में थे। पेरियास्वामी ने मंजू का गला रेतकर हत्या करने के मामले में शिकायत दर्ज करवाई। मंजू का गला रेता हुआ शव वहां मिला था जबकि धर्मसीलन पंखे से फंदे पर लटका हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मसीलन ने मंजू की हत्या करने के बाद आत्महत्या की होगी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है।

वियतनाम में चक्रवात 'बुआलोई' का कहर

हनोई/एपी। चक्रवात 'बुआलोई' से हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मध्य वियतनाम में सड़कें जलमग्न हो गईं, छतें उड़ गईं और कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गयी। बाद में यह चक्रवात कमजोर होकर तूफान के रूप में सोमवार को लाओस की ओर बढ़ गया। चक्रवात से भारी तबाही हुई, जिसने मकानों, स्कूलों और बिजली के खंभों को क्षतिग्रस्त कर दिया, कई अस्थायी पुल बह गए और कई प्रान्तों में सड़कें एवं निचले जलमार्ग डूब गए। शहरों में बाढ़ के कारण वाहन पानी में डूब गए और ऊंचाई वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के समुदाय का शेष स्थानों से संपर्क कट गया। खबर के अनुसार थान्ह होआ प्रांत में एक स्थानीय अधिकारी जब चक्रवात से बचाव की तैयारी के कामों को पूरा करने के बाद रात में लौट रहा था तो उसके ऊपर पेड़ गिरने से उसकी मौत हो गयी। ह्यू शहर में एक व्यक्ति बाढ़ के पानी में बह गया। एक अन्य मौत दानांग में हुई।

29-09-2025	30-09-2025
सूर्यास्त 5:59 बजे	सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
80,364.94	24,634.90
(-61.52)	(-19.80)

सोना	चांदी
11,890 रु.	159,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भिखमंगा नकवी

अभिषेक किया शर्मा ने तो,
वर्मा ने तिलक किया चंगा।
सूर्या के तेज उजाले में,
हो गया पाक खुद ही नंगा।
नकवी की नाक नकेल लगी,
सबने सियार समझा रंगा।
जो लिए कटोरा घूम रहा,
कप ले कर भागा भिखमंगा।

युवाओं के लिए उन्नत तकनीकी कौशल अपनाना जरूरी है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि युवा उन्नत तकनीकी कौशल को अपनाएं। भारतीय कौशल विकास सेवा (आईएसडीएस) के परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कौशल और ज्ञान किसी भी राष्ट्र के आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति के इंजन हैं। उन्होंने कहा, '' जो देश उच्च कुशल कार्यबल विकसित करते हैं वे वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होते हैं।''

मुर्मू ने कहा, ''जैसे-जैसे भारत प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है, यह ज़रूरी है कि हमारे युवा उन्नत तकनीकी कौशल को अपनाएं।''

राष्ट्रपति ने कहा कि परिवीक्षाधीन अधिकारी एक मज़बूत और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, ''भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।''

आईएसडीएस के अलावा भारतीय सांख्यिकी सेवा और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात की।

भारतीय सांख्यिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि प्रभावी शासन में मापनीय और परिमाणात्मक संकेतकों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

मुर्मू ने कहा, ''सुदृढ़ नीति निर्माण और कार्यान्वयन सटीक सांख्यिकीय विश्लेषण पर निर्भर करता है। आज की आंकड़ें आधारित दुनिया में सांख्यिकी की प्रासंगिकता बहुत बढ़ गई है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सामाजिक-आर्थिक और डिजिटल परिवर्तन के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा,'' उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेज़ी ने शासन में पारदर्शिता और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि की है।''

वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों को शासन, संचार कौशल से सुसज्जित होना चाहिए : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों को शासन और संचार कौशल से लैस करने के महत्व पर ज़ोर दिया।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) की कार्यकारी परिषद की 327वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और डेटा-संचालित उपकरणों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ शासन प्रशिक्षण के मज़बूत एकीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

अपने संबोधन में, सिंह ने वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों, जो अक्सर वरिष्ठ प्रशासनिक पदों पर जाते हैं, को शासन और संचार कौशल से लैस करने के महत्व पर ज़ोर दिया। कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा, भारत में काफी वैज्ञानिक प्रतिभाएं हैं, लेकिन नेतृत्व की भूमिका निभाने वालों के लिए संस्थागत प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यकुशलता में व्यवस्थित प्रशिक्षण आवश्यक है।

मंत्री ने शासन में सोशल मीडिया की उभरती भूमिका पर भी बात की और अधिकारियों को इसके ज़िम्मेदाराना इस्तेमाल के प्रति संवेदनशील बनाने का आग्रह किया।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने सोशल मीडिया से जुड़ाव के कैसे और कैसे नहीं पर चर्चा के लिए खास कार्यशालाओं का आह्वान किया, साथ ही गलत सूचना के जोखिमों और विश्वसनीय जनसंचार की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया।

अमेरिका समेत कई देशों के साथ एफटीए पर बातचीत जारी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए अमेरिका, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू, चिली और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि कतर और बहरीन भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के इच्छुक हैं।

गोयल ने कहा कि अगस्त में भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईएईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर किए थे। ईएईयू में आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और रूस शामिल हैं।

मंत्री ने ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में कहा, ''अमेरिका के साथ (व्यापार समझौते के लिए) बातचीत चल रही है। यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली के साथ भी बातचीत चल रही है।'' पिछले सप्ताह, गोयल ने न्यूयॉर्क में व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। उस बैठक के बाद, भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया था।

दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर रचनात्मक बैठकें कीं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठकें कीं।

भारत के 'कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व' को यूनेस्को ने नामित किया

नई दिल्ली/शिमला/भाषा। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र में ऊंचाई पर स्थित भारत के 'कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व' को बायोस्फीयर रिजर्व की सूची में शामिल किया है। विश्व संस्था ने इसकी घोषणा शनिवार को की। यूनेस्को ने कई देशों से नामित 26 नए बायोस्फीयर रिजर्व को इस सूची में शामिल किया है जिसमें भारत का 'कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व' भी शामिल है। भारत में अब यूनेस्को के विश्व बायोस्फीयर रिजर्व नेटवर्क (डब्ल्यूएनबीआर) में सूचीबद्ध 13 बायोस्फीयर हो गए हैं। 'कोल्ड डेजर्ट' यानी शीत मरुस्थल वह होता है जो ठंडे प्रदेशों में पाया जाता हैं।

करूर मृतकों के परिजनों का दुख बयां करने के लिए शब्द नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि 27 सितंबर को यहां हुई भगदड़ में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के दुख को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं और ऐसी घटनाएं फिर कहीं नहीं होनी चाहिए। सीतारमण ने सार्वजनिक समारोहों, खासकर जब बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी इकट्ठा होते हैं, के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का समर्थन किया और कहा कि यह पूरे देश के लिए लागू होनी चाहिए।

उन्होंने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन के साथ करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया और घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। बाद में, उन्होंने घायलों को दिए जा रहे उपचार के बारे में डॉक्टरों से बातचीत की। उन्होंने भगदड़ में अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की। गत 27 सितंबर की रात वेलुसामीपुरम में अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की एक रैली में मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कनाडा ने बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित किया

ओटावा/भाषा। कनाडा ने सोमवार को कहा कि उसने भय का माहौल पैदा करने के कारण बिश्नोई गिरोह को आतंकवादी संगठन की सूची में डाल दिया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, हिंसा और आतंकी कृत्यों के लिए कनाडा में कोई जगह नहीं है, खासकर उन कृत्यों के लिए जिनमें भय का माहौल पैदा करने के लिए विशिष्ट समुदायों को निशाना बनाया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और कनाडा की उनकी समकक्ष नताली ड्रोइन के बीच नई दिल्ली में व्यापक वार्ता के एक सप्ताह से अधिक समय बाद यह फैसला लिया गया। दोनों पक्षों ने वार्ता के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमति व्यक्त की थी।

चीन में धर्मों को समाजवादी समाज के और अधिक अनुरूप होना चाहिए : राष्ट्रपति चिनफिंग

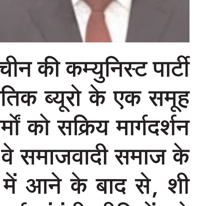

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को कहा कि इस कम्युनिस्ट देश में धर्मों को समाजवादी समाज के ''और अधिक अनुरूप'' होना चाहिए। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चीन में धर्म चीनी परिप्रेक्ष्य के और अधिक अनुरूप होने चाहिए। शी ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के एक समूह अध्ययन सत्र की अध्यक्षता करते हुए धर्मों को सक्रिय मार्गदर्शन प्रदान करने का भी आह्वान किया ताकि वे समाजवादी समाज के अनुरूप बन सकें। वर्ष 2012 में सत्ता में आने के बाद से, शी (72) सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की धर्म संबंधी नीतियों को मार्क्सवादी विचारधारा के साथ जोड़कर उन्हें नया रूप दे रहे हैं। इस साल जुलाई में, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने एक सवाल का जवाब देते हुए, शी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के तहत तिब्बती बौद्ध धर्म और अन्य धर्मों के ''चीनीकरण'' का बचाव किया था। माओ ने कहा, ''मेरा मानना है कि धर्म का चीनीकरण धार्मिक आचरण पर प्रतिबंध लगाने के बारे में नहीं है, बल्कि सभी धर्मों को देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''चीन में तिब्बती बौद्ध धर्म एक ऐसे धर्म का प्रमुख उदाहरण है जिसने चीनी विशेषताओं को समाहित किया है और जो चीनीकरण की प्रक्रिया का उदाहरण है।'' चीन का कहना है कि उसके पास धार्मिक स्वतंत्रता है, लेकिन उसे पार्टी द्वारा निर्धारित मानदंडों के भीतर काम करना चाहिए। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि धर्मों को चीनी परिस्थितियों के अनुरूप होने के लिए क्या करना चाहिए।

अदन की खाड़ी में जहाज पर मिसाइल से हमला : ब्रिटेन की सेना

दुबई/एपी। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए संभावित मिसाइल हमले में सोमवार को अदन की खाड़ी में एक जहाज में आग लग गई। किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। यमन के मीडिया ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के नियंत्रित क्षेत्र से संभावित बैलिस्टिक मिसाइल छोड़े जाने की सूचना दी। ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' (यूकेएमटीओ) ने बताया कि कुछ ही देर बाद, अदन की खाड़ी में अदन के तट से लगभग 235 किलोमीटर दूर एक जहाज ने धमाके और धुआं छाने की सूचना दी।'' यूकेएमटीओ ने इस घटना को एक हमला बताया और निजी सुरक्षा फर्म एम्ब्रे की तरह ही क्षेत्र में मौजूद जहाजों से सावधानी बरतने का आग्रह किया। बाद में यूकेएमटीओ ने कहा, एक जहाज पर किसी अज्ञात मिसाइल से हमला हुआ है। जहाज़ में आग लगने की सूचना है। यह 23 सितंबर को हुए एक हमले जैसा ही था जिसमें एक जहाज बच गया था। हूती विद्रोहियों ने संभावित हमले की फिलहाल जिम्मेदारी नहीं ली है। गाजा में युद्ध के जवाब में हूती विद्रोही इजराइल और लाल सागर में जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहे हैं।

जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भाजपा-राजग सरकारों ने देश में सुशासन का एक नया मॉडल स्थापित किया है और पार्टी कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करें कि जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे। मोदी ने दिल्ली भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कहा कि भाजपा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए सरकार में है और इसके कार्यालय इसी भावना को जीवित रखे हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भाजपा-राजग सरकारों ने देश में सुशासन का एक नया मॉडल स्थापित किया है। हम 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमने देश और लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी, भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का विश्वास दिलाने के लिए देश को घोटालों से मुक्त किया।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सरकारों ने आम लोगों की बचत बढ़ाने और उन्हें बेहतर सेवाएं देने पर ध्यान केंद्रित किया।''

कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि 2014 में जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सत्ता में था, तब दो लाख रुपए से ज़्यादा की आय पर कर लगता था। उन्होंने कहा, ''अब 12 लाख रुपए की आय पर भी कर शून्य है। यही हाल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का था, 2014 से पहले अगर कोई आम परिवार अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों पर एक साल में एक लाख रुपए खर्च करता था, तो उसे लगभग 25,000 रुपए कर देना पड़ता था।'' उन्होंने कहा, ''हमने जीएसटी लागू किया, कीमतें कम हुईं और अब जीएसटी सुधारों के बाद, उसी परिवार को केवल 5,000-6,000 रुपए का कर देना पड़ेगा। वर्ष 2014 की तुलना में 20,000 रुपए की बचत हुई है। अगर हम आयकर और जीएसटी की बचत को जोड़ दें, तो हर साल लोगों की 2.5 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी।'' उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि लोगों और व्यापारियों के बीच जागरूकता फैलाकर जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे।

राष्ट्रीय राजधानी को 'मिनी इंडिया' बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं से भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाए जाने वाले हर त्योहार को मनाने को कहा।

स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए, मोदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर दुकान पर 'गर्व से कहो ये स्वदेशी है' लिखा एक बोर्ड हो।

मोदी ने कहा कि विदेशी उत्पादों पर हमारी निर्भरता जितनी कम होगी, देश के लिए उतना ही बेहतर होगा।

प्रश्न-पत्र लीक की सीबीआई जांच की सिफारिश करेंगे : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले हफ्ते स्नातक स्तर की परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ देहरादून के परेड ग्राउंड में प्रदर्शन कर रहे युवाओं से सोमवार को मुलाकात की और उन्हें मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश करने का आश्वासन दिया।

धामी ने बताया कि उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक से जुड़े आरोपों की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि चूंकि छात्र अभी भी मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग कर रहे हैं, इसलिए सरकार इसकी सिफारिश करेगी। धामी ने कहा, इस मामले में कोई अड़चन नहीं आएगी। सरकार युवाओं के मन में कोई संदेह या आशंका नहीं छोड़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार का एकमात्र संकल्प पूरी तरह से पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में उठाए गए कदम, जिनमें राज्य में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू करना और लगभग सौ नकल माफिया की गिरफ्तारी शामिल है, इसी संकल्प के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले चार वर्षों में पारदर्शी तरीके से 25,000 से अधिक सरकारी भर्तियां की हैं और इन्हें लेकर कोई शिकायत नहीं आई है। धामी ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की शिकायत केवल एक मामले में की गई है, इसलिए सरकार युवाओं के मन से सभी संदेह दूर करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। युवाओं का दृष्टिकोण सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उन्हें इस त्योहारी मौसम में भीषण गर्मी में विरोध-प्रदर्शन करते देख दुखी हैं।

धामी ने कहा कि वह चाहते तो यह बातचीत अपने कार्यालय में भी कर सकते थे, लेकिन युवाओं की पीड़ा को देखते हुए उन्होंने प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर उनसे मिलने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा था कि जरूरत पड़ने वह कथित प्रश्नपत्र लीक मामले की सीबीआई सहित किसी भी एजेंसी से जांच कराने के लिए तैयार हैं, लेकिन पहले एसआईटी को अपनी जांच पूरी करने का मौका दिया जाना चाहिए। धामी ने प्रदर्शनकारी युवाओं को भरोसा दिलाया कि अगर विरोध-प्रदर्शन के दौरान उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया है, तो उसे वापस ले लिया जाएगा।

टेस्ला ने भारत में 'मॉडल वाई' की आपूर्ति शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसने जुलाई में पेश किए गए वाहन 'मॉडल वाई' की आपूर्ति शुरू कर दी है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि मॉडल की पेशकश के दो महीने के भीतर ही इसकी आपूर्ति शुरू करना भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने और टिकाऊ विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कंपनी ने बताया कि नए मॉडल वाई के खरीदारों को उनके घर के भीतर चार्जिंग की आसान सुविधा के लिए पार्किंग क्षेत्र में मुफ्त वॉल कनेक्टर भी दिया जाएगा।

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला का मॉडल वाई वर्ष 2023 और 2024 में दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला इलेक्ट्रिक वाहन रहा है।

कंपनी ने इसे भारत में नए सिरे से डिजाइन कर पेश किया है। यह भारत में दो संस्करणों में उपलब्ध है जिसकी रेंज क्रमशः 500 किलोमीटर और 622 किलोमीटर है। उसने कहा कि लंबी दूरी वाले संस्करण की आपूर्ति जल्द ही शुरू की जाएगी। कंपनी ने जुलाई में मुंबई और अगस्त में दिल्ली के एयरोसिटी में अपने अनुभव केंद्र भी खोले हैं।

केआईआईटी के दीक्षांत समारोह में नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। केआईआईटी डीयू का 21वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रविवार को संपन्न हुआ। इसमें 9,464 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं। इनमें 7,235 स्नातक, 2,034 स्नातकोत्तर और 195 पीएचडी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार यह कार्यक्रम तीन दिनों तक आयोजित किया गया, ताकि बड़ी संख्या में आए विद्यार्थियों और उनके परिवारों को सुविधा हो।

इस समारोह में श्रीलंका के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. मोहन मुनसिंघे, ट्यूनीशिया के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ओउइद बुचामाउई और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ. न्यायमूर्ति अब्दुलकावी अहमद यूसुफ ने शिरकत की।

मानद डॉक्टरेट की उपाधियां बुचामाउई के अलावा ग्वाटेमाला के रेक्टर और कांग्रेस सदस्य डॉ. फिदेल रेयेस ली, वॉकहार्ड्ट लि. के कार्यकारी निदेशक एवं वैश्विक मानवतावादी अधिवक्ता डॉ. हुज़ैफ़ा खोराकीवाला, जर्मनी के पुरातत्व पार्क के अध्यक्ष नॉर्बर्ट सॉयर, लालचंद समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुंजॉय हंस, कंपीटीशन सक्सेस रिव्यू के एसके सचदेवा को प्रदान की गईं। प्रो. मुनासिंघे ने बदलती दुनिया में स्थिरता और शांति की तात्कालिक चुनौतियों पर बात की। उन्होंने 'गरीबी, असमानता और संसाधनों की कमी के गठजोड़' पर प्रकाश डाला।

मूडीज ने स्थिर परिदृश्य के साथ भारत की रेटिंग 'बीएए3' पर बरकरार रखी

नई दिल्ली/भाषा। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को भारत के लिए 'स्थिर' परिदृश्य के साथ दीर्घकालिक स्थानीय और विदेशी मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग और स्थानीय मुद्रा वरिष्ठ असुरक्षित रेटिंग को बीएए3 पर बरकरार रखा।

स्थानीय-मुद्रा और विदेशी-मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग, किसी देश की समग्र ऋण-पात्रता और दायित्वों को पूरा करने की क्षमता को बताती है। वहीं स्थानीय मुद्रा वरिष्ठ असुरक्षित रेटिंग, उधारकर्ता की असुरक्षित ऋण चुकाने की क्षमता को दर्शाती है। यह कर्ज लेने वाले की अपनी मुद्रा में ऐसा ऋण होता है जिसके लिए कोई गारंटी नहीं होती। इसके साथ वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने भारत की अन्य अल्पकालिक स्थानीय मुद्रा रेटिंग को भी पी-3 पर कायम रखा।

एक बयान में कहा गया, ''रेटिंग की पुष्टि और स्थिर परिदृष्य हमारे इस विचार को दर्शाते हैं कि भारत की मौजूदा ऋण क्षमताएं बनी रहेंगी। इनमें देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत बाहरी स्थिति और मौजूदा राजकोषीय घाटे के लिए स्थिर घरेलू वित्तपोषण आधार शामिल है।''

करूर हादसे की जांच के लिए नड्डा ने राजग का आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल गठित किया है जो तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की परिस्थितियों की जांच करेगा और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी।

भाजपा आमतौर पर इस तरह की दुखद घटनाओं की जांच के लिए अपने नेताओं को घटनास्थल पर भेजती है, लेकिन इस बार, पार्टी ने अपने सहयोगियों - शिवसेना और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसदों को भी आठ सदस्यीय समिति में शामिल किया है। पार्टी का यह कदम स्पष्ट रूप से यह संदेश देने का प्रयास है कि वह अपने सहयोगियों को कितना महत्व देती है।

मथुरा से भाजपा सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी इस प्रतिनिधिमंडल की संयोजक हैं और इसके सदस्यों में शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और तेदेपा के पुट्टा महेश कुमार शामिल हैं। हेमा मालिनी स्वयं एक तमिल हैं।

प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या, पूर्व आईपीएस अधिकारी बृज लाल, अपराजिता सारंगी और रेखा शर्मा हैं, जो सभी भाजपा से हैं।

टीवीके प्रमुख विजय की शनिवार को एक रैली में हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि पीड़ित, 60 वर्षीय एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया जिससे मृत महिलाओं की संख्या बढ़कर 18 हो गई। मृतकों में 10 बच्चे और 13 पुरुष शामिल हैं।

नए जीएसटी दरों से पेट्रोलियम, कोल बेड मीथेन उद्योग पर पड़ेगा असर: उद्योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तेल, गैस और कोल बेड मीथेन क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले पूंजीगत सामान पर जीएसटी बढ़ाने से प्रतिकूल असर पड़ेगा।

इससे पेट्रोलियम क्षेत्र से जुड़े हाल के कानून में अनुबंध एवं राजकोषीय प्रावधानों को लेकर जो भरोसा दिलाया गया था, वह कमजोर पड़ता हुआ नजर आ रहा है।

उद्योग मंडल फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे एक पत्र में यह बात कही।

इस महीने मंत्री को लिखे दूसरे पत्र में उद्योग निकाय ने 25 सितंबर को कहा कि पेट्रोलियम (प्राकृतिक गैस सहित) और कोल बेड मीथेन (सीबीएम) क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले पूंजीगत सामानों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने से उस उद्योग पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

इसमें यह भी कहा गया कि जीएसटी के तहत प्राकृतिक गैस को शामिल न करने के कारण इस क्षेत्र को पहले ही नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

फिक्की ने लिखा, ''जीएसटी वृद्धि अन्वेषण एवं उत्पादन (ईएंडपी) अनुबंधों के विपरीत है और यह इस क्षेत्र में परियोजना लागत को बढ़ा देगा। इस क्षेत्र में उच्च जोखिम वाली पूंजी और लंबी अवधि के निवेश की आवश्यकता होती है।''

उद्योग मंडल ने कहा कि यह फैसला आगे के निवेश को हतोत्साहित करता है, घरेलू उत्पादन को कमजोर करता है, और ऊर्जा सुरक्षा तथा 'मेक इन इंडिया' के राष्ट्रीय लक्ष्यों के विपरीत है।

उद्योग निकाय ने संसद द्वारा हाल में पारित तेल क्षेत्र (विनियमन एवं विकास) संशोधन अधिनियम, 2025 का उल्लेख किया, जो अपस्ट्रीम ईएंडपी परिचालकों को वित्तीय स्थिरता देता है।

फिक्की ने कहा कि उद्योग किसी प्रोत्साहन की मांग नहीं कर रहा है, बल्कि चाहता है कि सरकार ईएंडपी अनुबंधों की सहमत संविदात्मक शर्तों को जारी रखे।

भारत अपनी तेल जरूरतों का 88 प्रतिशत और गैस मांग का लगभग आधा आयात से पूरा करता है। इस आयात निर्भरता को कम करने के लिए, सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है।

भव्य रूप से छठ पर्व मनाने के लिए यमुना के किनारे बनाए जाएंगे अस्थायी घाट : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार छठ पूजा के भव्य आयोजन के लिए यमुना नदी के दोनों किनारों पर अस्थायी घाट बनाने सहित व्यापक व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में छठ पूजा योजनाबद्ध तरीके से ऐतिहासिक होगी और पूर्वांचली लोगों को बिना किसी बाधा के त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, ''हमने यमुना के दोनों किनारों पर अस्थायी घाटों पर भव्य छठ पूजा की योजना बनाई है और सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं।''

गुप्ता ने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी और किसी भी तरफ से कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय राजधानी में भव्य छठ पूजा होगी। महामारी के दौरान यमुना तट पर छठ पूजा का आयोजन रोक दिया था। बाद में, अदालती आदेशों के कारण प्रतिबंध जारी रहा। राजधानी में रहने वाले पूर्वी उप्र, बिहार और झारखंड के लोग छठ पूजा करते हैं। सूर्य की उपासना के इस महापर्व में व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं और कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यमुना नदी के तट पर पूजा करने संबंधी रोक के मद्देनजर कुछ वर्षों में छठ पर्व के लिए दिल्ली सरकार ने उद्यानों और सार्वजनिक स्थानों पर सैकड़ों अस्थायी कुंड बनाए थे।

अमेजन फ्रेश ने भारत के 270 से ज्यादा शहरों में किराना सेवा का विस्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन इंडिया ने सोमवार को अपनी ऑनलाइन किराना सेवा 'अमेजन फ्रेश' का देश के 270 से ज्यादा शहरों में विस्तार करने की घोषणा की।

ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने त्योहारी बिक्री के दौरान यह सेवा विस्तार किया है और इसमें गोरखपुर, देहरादून, जालंधर, कोयंबटूर, नेल्लोर, जमशेदपुर और दुर्गापुर शामिल हैं।

अमेजन फ्रेश इंडिया के निदेशक श्रीकांत श्री राम ने कहा, ''अमेजन फ्रेश की पहुंच सिर्फ दो सालों में 4.5 गुना और चयन में 10 गुना बढ़ गई है। इससे भारत भर के परिवारों के लिए ऑनलाइन किराने का सामान खरीदने का तरीका बदल गया है। कुल 270 से ज्यादा शहरों में विस्तार करके, हम घरेलू जरूरत का सामान और त्योहारों के पसंदीदा सामान पहले से कहीं ज्यादा घरों तक पहुंचा रहे हैं।''

टाटा कम्युनिकेशंस को जीएसटीएटी का डिजिटल ढांचा तैयार करने का ऑर्डर मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

TATA
TATA COMMUNICATIONS

नई दिल्ली/भाषा। टाटा कम्युनिकेशंस ने सोमवार को कहा कि उसे माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) से 'कई करोड़ रुपए' का एक ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), क्लाउड और सुरक्षा सहित सभी क्षेत्रों में एकीकृत प्रबंधन के साथ एक संपूर्ण डिजिटल ढांचा तैयार करने के लिए है।

कंपनी ने बयान में कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य जीएसटीएटी के संचालन में तेजी लाना और उसे सुव्यवस्थित करना है। परियोजना देश भर में न्यायाधिकरण की सभी पीठों तक निर्बाध पहुंच को सक्षम करेगी, डेटा सुरक्षा को मजबूत करेगी और एक सरल उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करेगी। बयान के मुताबिक, ''टाटा कम्युनिकेशंस को जीएसटीएटी की पीठों के लिए एक व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए एक रणनीतिक परियोजना आवंटित की गई है। इसमें नेटवर्क संरचना, आईओटी, क्लाउड और सुरक्षा के साथ सभी क्षेत्रों में एकीकृत प्रबंधन शामिल है।'' टाटा कम्युनिकेशंस ने कहा कि करोड़ों रुपए का यह प्रतिष्ठित ऑर्डर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहलों के लिए एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में उसकी स्थिति को और मजबूत करेगा।

वैचारिक लड़ाई हारने वाले लोग राहुल को चुप कराने के लिए रच रहे 'साजिश' : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पूर्व नेता द्वारा राहुल गांधी पर की गई विवादास्पद टिप्पणी को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला जारी रखते हुए कहा कि जो लोग वैचारिक लड़ाई हार रहे हैं और जिनकी चोरी उजागर हो गई है, वे विपक्ष के नेता को चुप कराने के लिए ''साजिश'' रच रहे हैं।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह अपने 'प्रवक्ता' के इस कृत्य का समर्थन करती है और यदि नहीं करती है तो कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आरएसएस की छात्र इकाई एबीवीपी के पूर्व नेता प्रिंटू महादेव द्वारा राहुल गांधी को दी गई धमकी का उल्लेख करते हुए भाजपा पर तीखे हमले किए। वेणुगोपाल ने कहा, ''एक भाजपा प्रवक्ता ने एक टीवी चैनल पर बहस के दौरान खुली धमकी दी। मुझे नहीं पता कि केरल पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है, इसलिए मैंने अमित शाह जी को लिखा। भाजपा प्रवक्ता की ओर से स्पष्ट धमकी है... हमें लगता है कि यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। मुझे अभी तक गृह मंत्री से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''हम भाजपा से जानना चाहते हैं कि क्या वह इस कृत्य के साथ है ? अगर नहीं, तो उन्हें उस प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।'' वेणुगोपाल ने रविवार को इस मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा था कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न करने को लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ हिंसा में मिलीभगत और हिंसा को सामान्य बनाने के रूप में देखा जाएगा।

वेणुगोपाल ने दावा किया था कि महादेव भाजपा के प्रवक्ता हैं और उन्होंने यह टिप्पणी एक मलयालम चैनल पर टेलीविज़न बहस के दौरान की थी। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, भाजपा के एक प्रवक्ता ने टीवी पर कहा कि 'राहुल गांधी के सीने में गोली मार दी जाएगी' और उस प्रवक्ता पर कोई कार्रवाई भी नहीं की गई। खेड़ा ने कहा, इससे पहले सीआरपीएफ ने (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन) खरगे जी को राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर एक पत्र लिखा था और उसे लीक कर दिया गया था। उनकी सुरक्षा का राजनीतिकरण क्यों किया जा रहा है और ऐसा माहौल क्यों बनाया जा रहा है?

साइबर धोखाधड़ी से गोवा के लोगों को 2024 में 100 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ : सावंत

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को कहा कि 2024 में साइबर धोखाधड़ी में राज्य के लोगों को 100 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। सावंत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं से बूथ स्तर पर आम लोगों में साइबर अपराध के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने की अपील की।

ऑनलाइन धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने पर पणजी में भाजपा द्वारा आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए सावंत ने कहा, ''पिछले साल भारत में 22,845 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधड़ी की जानकारी सामने आयी, जिनमें गोवा में 100 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी भी शामिल है, जो चिंताजनक है।'' उन्होंने कहा कि पीड़ितों में अशिक्षित के साथ-साथ शिक्षित लोग भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यशाला का आयोजन यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि भाजपा नेता साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ दूत बनें। सावंत ने साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए रोकथाम उपाय अपनाने और जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

शत्रु को 'अधिक कड़ा' जवाब देने के लिए ड्रोन युद्ध प्रशिक्षण को मजबूत किया गया : प. कमान प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय सेना की पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कटियार ने सोमवार को कहा कि पूर्व के मुकाबले अब शत्रु को कहीं अधिक कड़ा दंड दिया जाएगा, क्योंकि सेना ने एक अभ्यास के दौरान एकीकृत तरीके से ड्रोन, ड्रोन रोधी प्रणाली और मानव रहित हथियारों के उपयोग का प्रदर्शन किया है।

कटियार ने हरियाणा के अंबाला जिले में नारायणगढ़ फील्ड फायरिंग रेंज में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन का काफी इस्तेमाल किया गया था और उससे सीख लेते हुए हमने अपने ड्रोन युद्ध प्रशिक्षण को मजबूत किया है... इस बार दुश्मन को दी जाने वाली सजा पहले से कहीं अधिक कड़ी होगी।'' एक पखवाड़े पहले लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में विजय की हीरक जयंती समारोह के अवसर पर पश्चिमी कमान मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा था कि यदि पाकिस्तान या उसके द्वारा समर्थित आतंकवादी संगठन फिर से कोई आतंकवादी हमला करते हैं, तो ''इस बार हमारा जवाब पहले से भी अधिक कठोर होगा।'' पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी कमानों ने 25 सितंबर से 'वायु समन्वय' नामक संयुक्त अभ्यास किया - जो दो प्रमुख ऑपरेशन 'थियेटर' में निर्बाध तालमेल को प्रदर्शित करता है। इस अभ्यास में ड्रोन, ड्रोन रोधी प्रणाली और मानव रहित हथियारों को वास्तविक परिस्थितियों में एकीकृत किया गया, जिससे भविष्य के युद्ध के लिए सेना की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और रणनीतियों को मान्यता मिली। इसमें युद्धक्षेत्र में अनुकूलन, नवाचार और गति से संचालन करने की भारतीय सेना की क्षमता को रेखांकित किया गया, साथ ही प्रशिक्षण, तकनीकी नवाचार और राष्ट्र की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के उच्च मानकों की पुष्टि हुई। इस युद्धाभ्यास के दौरान विभिन्न प्रकार के स्वदेशी ड्रोन की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। भविष्य के युद्ध में ड्रोन की चुनौती को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कटियार ने कहा, ''हम पूरी तरह तैयार हैं। ऑपरेशन सिंदूर में भी पाकिस्तान ने खूब ड्रोन का इस्तेमाल किया था और उनके अधिकांश ड्रोन हमने नष्ट कर दिए थे।''

इलेक्ट्रिक वाहनों में 2027 से लगानी होगी ध्वनि चेतावनी प्रणाली, पैदल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक अक्टूबर, 2027 से सभी इलेक्ट्रिक कारों, बसों और ट्रकों में 'ध्वनिक वाहन चेतावनी प्रणाली' (अवास) को अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। 'अवास' प्रणाली एक ऐसी सुरक्षा तकनीक है जिसे खासकर इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड वाहनों के लिए बनाया गया है। दरअसल ये वाहन कम गति पर लगभग बिना आवाज के चलते हैं, जिससे पैदल यात्रियों, खासकर दृष्टिबाधित लोगों को उनके आने का पता नहीं चल पाता है।

ऐसे में जोखिम को कम करने के लिए इन वाहनों में लगी अवास प्रणाली के स्पीकर कृत्रिम ध्वनि पैदा करते हैं, जिसकी तीव्रता और स्वर वाहन की गति और दिशा के हिसाब से बदलते रहते हैं। इससे सड़क पर चल रहे लोग वाहन की मौजूदगी और उसकी गति का अंदाजा लगा पाते हैं।

मंत्रालय ने इस संबंध में जारी मसौदा अधिसूचना में कहा है कि अक्टूबर 2026 के बाद विनिर्मित इलेक्ट्रिक यात्री एवं मालवाहक वाहनों के सभी नए मॉडलों में अवास प्रणाली अनिवार्य रूप से मौजूद होनी चाहिए।

अधिसूचना में कहा गया है, नए मॉडलों के मामले में एक अक्टूबर, 2026 एवं उसके बाद और मौजूदा मॉडलों के मामले में एक अक्टूबर 2027 को, श्रेणी एम और एम के इलेक्ट्रिक वाहनों में समय-समय पर संशोधित एआईएस-173 में निर्दिष्ट श्रव्यता संबंधी शर्तों को पूरा करने वाले अवास लगाए जाएंगे। श्रेणी एम के इलेक्ट्रिक वाहनों में यात्री परिवहन के लिए बनाई गई इलेक्ट्रिक कारें और बसें आती हैं जबकि श्रेणी एन के तहत इलेक्ट्रिक ट्रक और मालवाहक वाहन शामिल हैं। अमेरिका, जापान और यूरोपीय संघ के कुछ देशों ने पहले ही हाइब्रिड वाहनों में अवास ध्वनि प्रणाली के इस्तेमाल को अनिवार्य कर दिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

करूर भगदड़ की दुखद घटना को लेकर अफवाह न फैलाएं : मुख्यमंत्री

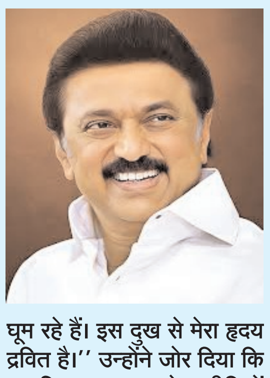

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने करूर में हुई भगदड़ की दुखद घटना पर सोशल मीडिया में अफवाह फैलाने को लेकर सोमवार को लोगों को चेताया और कहा कि सभी को जिम्मेदारी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। स्टालिन ने कहा कि 27 सितंबर को भगदड़ में 41 लोगों की मौत होना बहुत दुखद है और इसके पीड़ितों को किसी पार्टी विशेष से जुड़े लोगों के बजाय साथी तमिलों के रूप में देखा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक वीडियो संदेश में कहा, करूर में जो हुआ वह एक बड़ी त्रासदी थी। इस अपार दुख के कारण मेरा हृदय द्रवित है। सूचना मिलते ही ज़िला प्रशासन को तुरंत सक्रिय किया गया और मैं चेन्नई में नहीं ठहरा। मैं पीड़ितों को सांत्वना देने के लिए तुरंत करूर रवाना हो गया। सोशल मीडिया पर इस संबंध में की जा रही पोस्ट देखने का उल्लेख करते हुए स्टालिन ने कहा कि कुछ लोग घटना के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं या बदनामी में संलिप्त हैं, जो अत्यंत दुखद है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''करूर में हुई त्रासदी के बारे में सोशल मीडिया पर अफ़वाहें न फैलाएं। सभी को ज़िम्मेदारी से पेश आना चाहिए।'' स्टालिन ने वीडियो संदेश में लोगों से कहा, ''यह एक ऐसी त्रासदी थी जो पहले कभी नहीं हुई; ऐसी त्रासदी फिर कभी न होनी चाहिए। जब मैं अस्पताल गया और वहां जो दृश्य मैंने देखे वे मेरी आंखों के सामने अभी भी घूम रहे हैं। इस दुख से मेरा हृदय द्रवित है।'' उन्होंने जोर दिया कि उनकी सरकार ने पीड़ितों (मृतकों) के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी और सरकार इसे प्रदान भी कर रही है। सरकार ने इस घटना की जांच के लिए पूर्व न्यायाधीश अरुणा जगतीसन की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया है और आयोग की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों और झूठी खबरों पर नजर रख रहा हूं। कोई भी राजनीतिक दल का नेता कभी नहीं चाहेगा कि उसके कार्यकर्ता या निर्दोष नागरिक मारे जाएं। इस घटना के सभी पीड़ित चाहे वे किसी भी दल से जुड़े हों सभी मेरे अपने हैं, वे हमारे तमिल भाई हैं।'' स्टालिन ने कहा कि भविष्य में राजनीतिक दलों और जन संगठनों द्वारा ऐसे कार्यक्रमों के संचालन के लिए नियम-कानून बनाना सरकार का कर्तव्य है। इसलिए आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद वह सभी राजनीतिक दलों और नागरिक समाजों के साथ परामर्श करके नियम-कानून तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने सभी से सहयोग करने की आशा जताई।

विजय प्रचार वाहन के अंदर रहे जिससे भीड़ और उसकी व्यग्रता बढ़ती गई : प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष अभिनेता-नेता विजय, 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम में अपने प्रचार वाहन के अंदर काफी देर तक रुके रहे, जिससे उनकी रैली में शामिल होने के लिए जुटी भीड़ और उसकी बेताबी बढ़ने से भगदड़ की घटना हुई। घटना को लेकर दर्ज की गयी प्राथमिकी में ये कहा गया है। भगदड़ में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और 60 घायल हो गए। टीवीके के एक सूत्र ने बताया कि पुलिस ने संवेदनशील कानून व्यवस्था की स्थिति के कारण विजय से कहा है कि वह भगदड़ के पीड़ितों से मिलने सरकारी अस्पताल न जाएं।

पुलिस ने अभिनेता के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया है, लेकिन भगदड़ के संबंध में टीवीके के तीन प्रमुख पदाधिकारियों-करूर उत्तर के जिला सचिव मथियाझागन, पार्टी के प्रदेश महासचिव बुस्सी आनंद और टीवीके के उप महासचिव निर्मल कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सोमवार को भी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुणा जगदीशन की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच जारी रखी। न्यायाधीश ने सरकारी अस्पताल में मरीज़ों से बातचीत की और बाद में कहा कि जांच पूरी होने के बाद वह सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगी। अस्पताल में घायल 60 वर्षीय महिला की मौत के साथ भगदड़ में मरने वालों की संख्या सोमवार को बढ़कर 41 हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों पार्टी पदाधिकारियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 125 (दूसरों के जीवन को खतरे में डालना) और 223 (आदेश की अवज्ञा) के साथ-साथ तमिलनाडु सार्वजनिक संपत्ति (क्षति और हानि निवारण) अधिनियम, 1992 की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, विजय काफी समय तक वेलुसामीपुरम में अपने प्रचार वाहन के अंदर ही रहे, जिसके कारण वहां भीड़ बढ़ गई और लोगों में बेचैनी पैदा हो गई।

पुलिस ने बताया कि विजय को करीब से देखने के लिए भीड़ के आगे बढ़ने के बाद भगदड़ मच गई। पुलिस ने बताया कि संकरे स्थान पर इतने लोगों के लिए जगह नहीं थी, जिसके कारण लोग कुचले गए। पुलिस ने व्यवस्था बहाल करने के लिए लाठीचार्ज किया। मौके पर बेहोश हुए कई लोगों को करूर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिकी के अनुसार, विजय को देखने के लिए लोग स्टील शेड और पेड़ों पर चढ़ गए, और जब ये गिर गए, तो वे नीचे मौजूद भीड़ पर गिर पड़े, जिससे भगदड़ मच गई। प्राथमिकी में कहा गया है कि कई लोगों की मौत दम घुटने और कुचलने से हुई।

टीवीके सूत्र ने बताया कि इस घटना के बाद विजय को यहां सरकारी अस्पताल न आने की सलाह दी गई, क्योंकि उनकी उपस्थिति से अस्पताल परिसर में भीड़ बढ़ सकती थी। टीवीके के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, शुरू में उन्होंने घायलों से मिलने और उन्हें सांत्वना देने के वास्ते आने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें बताया गया कि उनकी उपस्थिति से भीड़ और बढ़ सकती है। भगदड़ की घटना के बाद, राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जगदीशन की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया। पीड़ितों से मिलने गए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रभावित परिवारों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने आयोग की रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई का आश्वासन भी दिया। इस बीच, तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने दावा किया है कि एकल सदस्यीय जांच आयोग के निष्पक्ष होने की संभावना नहीं है, क्योंकि यह पुलिस की खुफिया विफलता और अन्य पहलुओं की जांच नहीं कर पाएगा। सुंदरराजन ने चेन्नई में कहा, मैं प्रशासन में रही हूं। मैं कह सकती हूं कि आयोग की जांच पक्षपातपूर्ण नहीं होगी, क्योंकि पुलिस की खुफिया विफलता रही है। पुलिस रैली स्थल पर लोगों की बढ़ती संख्या पर ध्यान देने में विफल रही। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, इस बात का कोई संकेत नहीं था कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर गए। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता वी के शशिकला ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की। शशिकला ने संवाददाताओं से कहा, कार्यक्रम समाप्त होने के कुछ ही मिनटों बाद बिजली चली गई और जब बिजली आई, तो लोग पहले ही भागने लगे थे। सच्चाई तभी सामने आएगी जब मामले की किसी केंद्रीय एजेंसी द्वारा गहन जांच की जाएगी।

करूर हादसे की जांच के लिए नड्डा ने राजग का आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल गठित किया है जो तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की परिस्थितियों की जांच करेगा और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। भाजपा आमतौर पर इस तरह की दुखद घटनाओं की जांच के लिए अपने नेताओं को घटनास्थल पर भेजती है, लेकिन इस बार, पार्टी ने अपने सहयोगियों - शिवसेना और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसदों को भी आठ सदस्यीय समिति में शामिल किया है। पार्टी का यह कदम स्पष्ट रूप से यह संदेश देने का प्रयास है कि वह अपने सहयोगियों को कितना महत्व देती है।

मथुरा से भाजपा सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी इस प्रतिनिधिमंडल की संयोजक हैं और इसके सदस्यों में शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और तेदेपा के पुट्टा महेश कुमार शामिल हैं। हेमा मालिनी स्वयं एक तमिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या, पूर्व आईपीएस अधिकारी बृज लाल, अपराजिता सारंगी और रेखा शर्मा हैं, जो सभी भाजपा से हैं।

विजय की रैली में भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की रैली में मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 60 वर्षीय महिला की यहां एक अस्पताल में मौत हो गई।

घायल महिला ने करूर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वाली महिलाओं की कुल संख्या 18 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में 10 बच्चे और 13 पुरुष भी शामिल हैं।

राहुल ने करूर में भगदड़ मामले पर की स्टालिन और विजय से बातचीत

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पिछले दिनों तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की घटना के बारे में जानकारी लेने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से फोन पर बात की और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय को भी फोन करके घटना में उनके समर्थकों की मौत पर संवेदना व्यक्त की। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट कर राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, ''मेरे प्यारे भाई राहुल गांधी, फोन पर मुझसे संपर्क करने, करूर की दुखद घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने और इलाज करा रहे लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में ईमानदारी से पूछताछ करने के लिए धन्यवाद।'' कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने करूर भगदड़ के बारे में जानकारी लेने के लिए मुख्यमंत्री को फोन किया था। सूत्रों ने यह भी बताया कि विपक्ष के नेता ने टीवीके अध्यक्ष विजय को भी फोन करके उनके समर्थकों की मौत पर संवेदना व्यक्त की। पश्चिमी तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को विजय के नेतृत्व में आयोजित एक राजनीतिक रैली में हुई भगदड़ में सोमवार को मरने वालों की संख्या 41 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 60 से ज़्यादा लोगों का इलाज किया जा रहा है और कम से कम दो की हालत गंभीर है। इसबीच टीवीके ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ में याचिका दायर कर भगदड़ की घटना की सीबीआई या स्वतंत्र जांच की मांग की है।

करूर त्रासदी पीड़ितों के शैक्षिक खर्चों को वहन करेगा एसआरएम एजुकेशनल ग्रुप

चेन्नई। कट्टंकुलाथुर स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी तथा एसआरएम एजुकेशनल ग्रुप के कुलपति डॉ टी परविंदर ने कहा है कि करूर में हुई दुर्घटना बहुत पीड़ा दायक है। एसआरएम ग्रुप ऑफ़ टेक्नोलॉजी एवं एसआरएम एजुकेशनल ग्रुप उन सभी परिवारों के साथ है जिन्होंने अपने प्रियजनों को इस हादसे से में खो दिया है, उन्होंने कहा कि एसआरएम ग्रुप मृतक परिजनों के छात्रों की पूरी शिक्षा का खर्च उठाने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे छात्रों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रहे। ऐसे छात्रों की फीस सीधे उनके स्कूल, कॉलेज को दी जाएगी जहां वे वर्तमान समय में पढ़ रहे हैं।

करूर की दुखद घटना की सीबीआई जांच हो : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि करूर में हुई दुखद घटना के पीछे कोई राजनीतिक साजिश है जिसमें 41 लोगों की जान चली गई। मुख्यमंत्री स्टालिन को 6 करोड़ तमिलनाडुवासियों के सवाल का जवाब देने के लिए सीबीआई जांच की घोषणा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) नेता विजय को 41 मौतों के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सलाह से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार द्वारा पूर्व उच्च न्यायालय न्यायाधीश अरुणा जगदीशन के नेतृत्व में एक अल्पकालिक जाँच आयोग की नियुक्ति केवल दिखावा है और इससे कोई परिणाम नहीं निकलेगा। इसलिए, तमिलनाडु सरकार को बिना किसी देरी के तुरंत सीबीआई जाँच की घोषणा करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तमिलनाडु सरकार को मृतकों का पोस्टमार्टम करते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए ताकि सच्चाई पूरी तरह सामने आ सके। विभिन्न न्यायालयों के निर्णयों के आधार पर, इस तरह की संदिग्ध और विवादास्पद मौतों के मामलों में, अनुभवी डॉक्टरों द्वारा पोस्टमार्टम किया जाना चाहिए और उसकी पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग होनी चाहिए।

तमिलनाडु सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उसने इस प्रथा का पालन किया है। हालांकि मृतकों के शवों को शीघ्रता से उनके परिवारों को सौंपने की भावना समझ में आती है, लेकिन तमिलनाडु सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पोस्टमार्टम परीक्षाएं और रिपोर्ट, जो इस दुखद घटना के संबंध में महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रदान कर सकती हैं, कानूनी दिशानिर्देशों के अनुसार, अत्यंत पारदर्शिता और बिना किसी समझौते के तैयार की जाएं।

इसके अलावा, सीबीआई जाँच से पहले, प्रारंभिक जाँच में तेज़ी लाने के लिए, तमिलनाडु सरकार को तुरंत एक ईमानदार महानिरीक्षक (आईजी) स्तर के पुलिस अधिकारी को जाँच अधिकारी नियुक्त करना चाहिए, जिसके साथ एक उप महानिरीक्षक (डीआईजी) और कम से कम तीन अनुभवी पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) हों जो टीमों का नेतृत्व करें।

जाँच में सभी पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए, जैसे कि सुरक्षा के लिए कितने पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे, कितने ज़िला पुलिस, ट्रैफ़िक पुलिस और सशस्त्र पुलिस कर्मियों को नियुक्त किया गया था, और तमिलनाडु के लोगों, प्रमुख पत्रकारों और मीडिया द्वारा उठाए गए सभी सवालों का एक गहन क्षेत्र-आधारित जाँच के माध्यम से समाधान किया जाना चाहिए।

प्रसाद ने कहा कि अभिनेता विजय को अपने चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होने के दौरान अपनी जान गंवाने वाले 41 लोगों को श्रद्धांजलि देनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जाँच बिना किसी समझौते के हो, चाहे वह द्रमुक सरकार या कांग्रेस के बिचौलियों की कथित धमकियों के बावजूद ही क्यों न हो। उन्हें तमिलनाडु की जनता और अपने वफ़ादार प्रशंसकों के प्रति पारदर्शिता और सच्चाई से काम लेना चाहिए। तमिलनाडु भाजपा इस दुखद घटना की सच्ची और न्यायसंगत जाँच सुनिश्चित करने के लिए तमिलनाडु सरकार, अभिनेता विजय और तमिलनाडु की जनता के साथ पूरी तरह खड़ी है।

चीन ने रैली में भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजन के प्रति संवेदना जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग। चीन ने तमिलनाडु के करूर शहर में अभिनेता एवं नेता विजय की रैली में मची भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति सोमवार को गहरी संवेदना जतायी। शनिवार को हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और और कई अन्य घायल हो गए थे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां एक प्रेसवार्ता में एक सवाल के उत्तर में कहा, हम पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं तथा उनके परिजन और घायलों के प्रति भी हमारी संवेदना है। उन्होंने कहा कि भारत स्थित चीनी दूतावास ने संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी भी चीनी नागरिक के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

विजयन ने फलस्तीन के प्रति समर्थन दोहराया, गाजा में 'नरसंहार' रोकने का आह्वान किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को फलस्तीन के लोगों के साथ अपनी सरकार की एकजुटता दोहराई और गाजा में कथित नरसंहार रोकने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि विजयन ने भारत में फलस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश के साथ विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में एक मुलाकात के दौरान यह समर्थन जताया।

विजयन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत में फलस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश से केरल के उनके दौरे के दौरान मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। फलस्तीनी लोगों के साथ केरल की अटूट एकजुटता और गाजा में नरसंहार तत्काल समाप्त करने की हमारी मांग दोहरायी। केरल फलस्तीन के लोगों को न्याय दिलाने के लिए हमेशा दृढ़ रहेगा।''

बाद में जारी एक बयान में, विजयन ने कहा कि ''केरल हमेशा फलस्तीन के लोगों के साथ रहा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के समर्थन से, इजराइल सभी अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन करके फलस्तीन के लोकतांत्रिक अधिकारों से इनकार कर रहा है। उन्होंने कहा, ''केरल फलस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के साथ खड़ा है।'' मुख्यमंत्री विजयन ने पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुरूप पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाकर फलस्तीन राष्ट्र के निर्माण में सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया। बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान, राजदूत ने ''इजराइली आक्रमण'' और फलस्तीन के सामने मौजूद वर्तमान समस्याओं के बारे में बताया। बयान में कहा गया है कि शावेश ने इस महत्वपूर्ण मोड़ पर केरल द्वारा फलस्तीन को दिए गए समर्थन का स्वागत किया और कहा कि देश को और अधिक समर्थन की आवश्यकता है, जो दुनिया भर से मिलने की उम्मीद है।

श्रद्धासुमन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को तमिलनाडु सरकार की ओर से, चेन्नई के पूर्व महापौर शिवराज की 134वीं जयंती के अवसर पर 29 सितम्बर को तमिल विकास एवं सूचना मंत्री एम.पी. स्वामीनाथन, हिंदू धर्म एवं धर्मस्व मंत्री पी.के. शेखरबाबू, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की महापौर श्रीमती आर. प्रिया, उप महापौर एम. महेशकुमार, तमिल विकास एवं सूचना सचिव वी. राजारमन, आई.ए.पी., सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक मारू इरावैथ्रथन सहित अनेक उच्चाधिकारियों ने क्लॉक टॉवर, थंगसलाई, चेन्नई के पास स्थित उनकी प्रतिमा के सामने सुशोभित तिरुवरुवा छवि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

तमिलनाडु में मानवाधिकार आयोग ने दो सफाई कर्मचारियों की मौत पर दो शीर्ष अधिकारियों को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली/चेन्नई। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में पिछले सप्ताह एक भूमिगत जल निकासी पाइपलाइन में काम करते समय दो सफाई कर्मचारियों की कथित तौर पर दम घुटने से हुई मौत के मामले में निगम आयुक्त और पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किया गया। आयोग ने कहा कि अगर मीडिया रिपोर्ट की सामग्री सही है, तो यह मानवाधिकार उल्लंघन का गंभीर मुद्दा उठाती है। आयोग ने एक बयान में कहा, ''तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के तिरुवेरुम्बुर के मुथुनगर इलाके में कार्मेल गार्डन के पास 22 सितंबर, 2025 को एक नवनिर्मित भूमिगत जल निकासी पाइपलाइन में काम करते समय दो सफाई कर्मचारियों की दम घुटने से मौत होने की मीडिया रिपोर्ट पर एनएचआरसी ने स्वतः संज्ञान लिया है।'' मानवाधिकार आयोग ने बताया कि उन सफाई कर्मचारियों को तिरुचिरापल्ली निगम के काम के लिए एक निर्माण कंपनी द्वारा कथित तौर पर नियुक्त किया गया था। आयोग ने इसलिए नगर निगम आयुक्त और तिरुचिरापल्ली के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। बयान के अनुसार, रिपोर्ट में जांच की स्थिति और मृतक श्रमिकों के परिजनों को दिए गए मुआवजे का विवरण शामिल होने की उम्मीद है। मीडिया में 23 सितंबर को प्रकाशित खबर के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं है कि उन श्रमिकों को उचित सुरक्षा उपकरण दिए गए थे या नहीं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई (दक्षिण)
38 & 39, व्हाइट्स रोड, रोयापेट्टा,
चेन्नई-600014 (टेलीफोन: 044-28523104)

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को **मदुरन्थकाम चेंगलपट्टु** में हमारी प्रस्तावित शाखा के लिए **1400 वर्ग फीट ± 10% कारपेट एरिया** वाला परिसर चाहिए जो अधिमानत रूप से भू-तल पर हो या हमारे विनिर्देशों के अनुसार किराए के लिए निर्माणाधीन हो, जिसका आगे का भाग अच्छा हो, मुख्य सड़क की ओर हो और जिसमें पर्याप्त पार्किंग हो।
संभावित आवेदक जिनके पास स्पष्ट स्वामित्व हो या मालिकों की ओर से बातचीत करने का अधिकार हो, वे बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** और ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.eprocure.gov.in** से आवेदन-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अथवा,
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई दक्षिण, व्हाइट्स रोड चेन्नई से कार्यालय अवधि के दौरान **दिनांक 30.09.2025** से प्रारूप प्राप्त करें और अपनी तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली प्रस्ताव को दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली लिखकर दिनांक **21.10.2025** को या उससे पूर्व अपराह्न **03:30 बजे** तक **क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई दक्षिण** में जमा कर दें। तकनीकी बोली **दिनांक 21.10.2025 को अपराह्न 04:30** बजे उपर्युक्त पत्ते पर आवेदकों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएगी।
कृपया कोई दलाल या बिचौलिया न आएं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या सरकारी / अर्ध-सरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई भी कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है।

दिनांक: 30.09.2025 **क्षेत्र प्रमुख**
चेन्नई

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई (दक्षिण)
38 & 39, व्हाइट्स रोड, रोयापेट्टा,
चेन्नई-600014 (टेलीफोन: 044-28523104)

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को **अशोक नगर** में हमारी प्रस्तावित एटीएम के लिए **60** से 100 **वर्ग फीट कारपेट एरिया** वाला परिसर चाहिए जो अधिमानत रूप से भू-तल पर हो या हमारे विनिर्देशों के अनुसार किराए के लिए निर्माणाधीन हो, जिसका आगे का भाग अच्छा हो, मुख्य सड़क की ओर हो और जिसमें पर्याप्त पार्किंग हो।
संभावित आवेदक जिनके पास स्पष्ट स्वामित्व हो या मालिकों की ओर से बातचीत करने का अधिकार हो, वे बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** और ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.eprocure.gov.in** से आवेदन-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अथवा,
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई दक्षिण, व्हाइट्स रोड चेन्नई से कार्यालय अवधि के दौरान **दिनांक 30.09.2025** से प्रारूप प्राप्त करें और अपनी तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली प्रस्ताव को दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली लिखकर दिनांक **21.10.2025** को या उससे पूर्व अपराह्न **03:30 बजे** तक **क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई दक्षिण** में जमा कर दें। तकनीकी बोली **दिनांक 21.10.2025 को अपराह्न 04:30** बजे उपर्युक्त पत्ते पर आवेदकों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएगी।
कृपया कोई दलाल या बिचौलिया न आएं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या सरकारी / अर्ध-सरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई भी कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है।

दिनांक: 30.09.2025 **क्षेत्र प्रमुख**
चेन्नई

सांगानेर राजस्थान का महत्वपूर्ण औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता और संकल्प के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश को प्रगति की ऊंचाईयों पर पहुंचाना हमारा मुख्य ध्येय है। उन्होंने कहा कि सांगानेर न केवल जयपुर का बल्कि पूरे राजस्थान का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र है। हम सांगानेर को विकास के पायदान पर आगे खड़ा रहने की प्राथमिकता से कार्य कर रहे है। जिससे विकसित राजस्थान के संकल्प में यह क्षेत्र अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

शर्मा सोमवार को जयपुर में सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सांगानेर में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। राज्य सरकार द्वारा सांगानेर में बिजली के क्षेत्र में ही लगभग 100 करोड़ रुपये के कार्य किए गए हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में 'यूनिटी मॉल', जयपुर मेट्रो, सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पंप तक एलीवेटेड रोड का निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सांगानेर को लगभग 700 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात मिलने जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत सांगानेर में विद्युत, सड़क, शिक्षा, नगरीय विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों के 529 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। साथ ही, आज सांगानेर स्टेडियम में करीब 171 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि आज लगभग 218 करोड़ से अधिक की लागत वाले गोपालपुरा बाईपास पर त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी के पास तक एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान देश का अग्रणी प्रदेश बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा आरम्भ हुआ है। सेवा पखवाड़े के तहत राज्य सरकार ने भी ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की शुरूआत की है। इन शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है तथा जनोपयोगी कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। इन शिविरों से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन शिविरों में वे अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने आस-पास के लोगों को इन शिविरों में लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार जनकल्याण को प्राथमिकता मानते हुए निरंतर निर्णय ले रही है।

इसी कड़ी में आज सांगानेर में विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जीएसटी में किए गए बदलाव से आमजन को बड़ी राहत मिली है। हमारी डबल इंजन की सरकार प्रदेश को देश के अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए सामग्री वितरण एवं दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की। शर्मा ने एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले मुख्यमंत्री का आमजन ने जगह-जगह माला पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। इस अवसर पर नगरीय एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक कैलाश वर्मा, जयपुर ग्रेटर महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्णावट सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार जन-जन तक विकास पहुँचाने के लिए सतत प्रयासरत : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन विभाग मंत्री सुरेश सिंह रावत शनिवार को जिले की परबतसर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे, इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। माननीय जल संसाधन मंत्री रावत ने परबतसर उपखंड की ग्राम पंचायत नेतियास के ग्राम खोखरिया में आयुष्मान आरोग्य उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण एवं ग्राम पंचायत भड़सिया में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री रावत ग्राम पंचायत कालेटडा में भामाशाह गजेंद्र सिंह उदावत द्वारा उनके माता पिता की स्मृति में राजकीय विद्यालय में बनवाये गए नवीन भवन का भी लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ व आधारभूत विकास की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। यह कार्य ग्रामीणों की जीवनशैली में सुधार और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जन-जन तक विकास पहुँचाने के लिए सतत प्रयासरत है। राज्य सरकार आमजन के बुनियादी सुविधाओं सहित सभी मूलभूत कार्यों को तत्परता से कर रही हैं।

मंत्री रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुँचाने और जनता को मजबूत आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भाजपा नागौर देहात जिलाध्यक्ष श्रीमती सुनीता माहेश्वरी जी, पूर्व विधायक मानसिंह , नगर पालिका परबतसर चेयरमैन ओमप्रकाश सेन, नेतियास सरपंच नाथूराम वैष्णव भड़सिया सरपंच श्रीमती रेखा कंवर सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

निजी आवासीय छतों पर होगी सब्ज़ी की खेती, जयपुर में शुरू हुई 'स्मार्ट सिटी रूफ टॉप फार्मिंग परियोजना'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय उद्यानिकी नवाचार एवं प्रशिक्षण संस्थान (आईएसआईटीसी), दुर्गापुरा, जयपुर द्वारा नगर निगम क्षेत्र में स्थित निजी आवासों की छतों पर सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'स्मार्ट सिटी रूफ टॉप फार्मिंग परियोजना' की शुरुआत की गई है। इस योजना के अंतर्गत केवल जयपुर नगर निगम क्षेत्र के निजी आवासीय भवनों के स्वामी ही आवेदन कर सकते हैं। वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान या अन्य गैर-आवासीय भवन इस योजना के अंतर्गत पात्र नहीं होंगे।

रूफ टॉप यूनिट निर्माण की कुल अनुमानित लागत 53 हजार 619 रूपए है। इसमें से 70 प्रतिशत(37हजार 534 रूपए) की राशि अनुदान के रूप में सरकार द्वारा वहन की जाएगी जबकि शेष 30 प्रतिशत (16 हजार 085 रूपए) राशि लाभार्थी को स्वयं वहन करनी होगी।

परियोजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया ऑफलाइन रहेगी और आवेदन पत्र संस्थान के कार्यालय से ही प्राप्त किए जा सकेंगे। योजना के दिशा-निर्देश, पात्रता की शर्तें तथा आवेदन पत्र का प्रारूप आईएसआईटीसी, दुर्गापुरा, जयपुर से प्राप्त किया जा सकता है। अधिक जानकारी हेतु दूरभाष संख्या 9636839317 पर कार्यालय समय में संपर्क किया जा सकता है।

अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में जुटी राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन की प्रत्येक समस्या का समाधान करने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को पूरा करने में जुटी हुई है तथा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई भी इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से आमजन संतुष्ट नजर आए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से करें तथा नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई हो। शर्मा ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें।

शर्मा ने इस दौरान कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

डबल इंजन की सरकार खेल विकास और युवा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और उद्योग,युवा एवं खेल राज्य मंत्री के.के बिश्नोई ने सोमवार को आदर्श बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय सिवाना (बालोतरा) में 69 वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी हॉकी खेलकूद प्रतियोगिता (14 वर्ष छात्र-छात्रा वर्ग) का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पटेल ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार खेल विकास और युवा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा 250 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा नवीन स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस यह विश्वविद्यालय उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में प्रदेश की प्रतिभाओं को निखारने का काम करेगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा राज्य सरकार ने खेलो एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए 475 करोड़ रुपये के बजट के साथ राजस्थान खेल आधुनिकीकरण मिशन,स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं का 25 लाख रुपये तक का दुर्घटना एवं जीवन बीमा का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा खेल अवसंरचना विकास की दिशा में जयपुर में 100 करोड़ रुपये के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्पोर्ट्स भी स्थापित, 25-25 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर, भरतपुर एवं उदयपुर में बालिकाओं के लिए रेजिडेंशियल गर्ल्स स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और 5 हजार से अधिक जनसंख्या वाली 3 हजार 500 ग्राम पंचायतों में ओपन जिम की स्थापना की जा रही है। पटेल ने कहा प्रदेश सरकार ने पेपर लीक माफियाओं पर कड़ी कार्यवाही कर युवाओं के हितों को सुरक्षित किया गया है। उन्होंने कहा 5 वर्ष में 4 लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। विभिन्न रोजगार उत्सवों के माध्यम से अब तक 91 हजार युवाओं को नियुक्ति दी गई है ।

नीलाम खनिज ब्लॉकों के मंशापत्रधारक आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के लिए जरुरी औपचारिकताएं प्राथमिकता से पूरी करें : रविकान्त

जयपुर। प्रमुख सचिव खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने ऑक्शन ब्लॉकों के मंशापत्रधारकों से ऑक्शन खानों को जल्द परिचालन में लाने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं प्राथमिकता से पूरी करने को कहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के लिए आवेदन ही ना करने या आधीअधूरी औपचारिकताएं पूरी करने से खानों को परिचालन में लाने में अनावश्यक देरी होती है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त सोमवार को खनिज भवन में 13 संस्थाओं के 22 मंशापत्रधारकों के प्रतिनिधियों की बैठक रखी। वे उपस्थित प्रतिनिधियों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑक्शन ब्लॉकों को जल्द परिचालन में लाना केन्द्र व राज्य सरकार दोनों की प्राथमिकता है और इसके लिए गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं। विभाग द्वारा वरिष्ठ अधिकारी अधीक्षण खनि अभियंता सतर्कता को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय समय पर आयोजित बैठकों में नीलाम खनिज ब्लॉकों को जल्द परिचालन में लाने के निर्देश देते रहे हैं। नीलाम खानों के परिचालन में आने से माइनिंग सेक्टर में निवेश के साथ ही रोजगार ओर राजस्व बढ़ोतरी के अवसर उपलब्ध होंगे।

गौरतलब है कि मेजर मिनरल ब्लाकों के ऑक्शन में राजस्थान समूचे देश में अव्वल प्रदेश बन गया है। अब केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा इन ब्लॉकों में खनन कार्य जल्दी कराने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने मंशापत्रधारकों द्वारा आवश्यक अनुमतियों के लिए आवेदन ही ना करने या फिर आधे अधूरे दस्तावेजों के साथ आवेदन करने पर गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि माइनिंग ब्लॉकों के ऑक्शन का प्रमुख उद्देश्य जल्द से जल्द परिचालन में लाना है।

प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कानून का राज और अपराधियों पर कड़ा प्रहार राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाज में शांति और सुरक्षित वातावरण में ही विकास संभव है। हमारी सरकार ने राज्य में पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं, जिससे आमजन को भयमुक्त वातावरण मिल सके।

शर्मा सोमवार को नारायण विहार सहित 3 नवीन थानों के शुभारम्भ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल पुलिस भवन का लोकार्पण नहीं, बल्कि आमजन के लिए सुरक्षित प्रदेश बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आते ही एन्टी गैंगस्टर टास्क फोर्स तथा पेपरलीक प्रकरणों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध नियंत्रण और प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। राज्य सरकार द्वारा प्रभावी पुलिसिंग के लिए 2 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और 2 पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय की स्थापना, 22 नए पुलिस थानों का सृजन, 8 पुलिस चौकियों का थाने में क्रमोन्नयन, 35 नई पुलिस चौकियां खोलने की स्वीकृति सहित विभिन्न निर्णय लिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि अपराध शाखा के अतिरिक्त महानिदेशक के नेतृत्व में एंटी गैंगस्टर्स टास्क फोर्स का गठन तथा एंटी नारकोटिक्स टास्क फार्स के गठन के लिए जयपुर मुख्यालय में एक नया थाना और 9 नई चौकियों की स्थापना के लिए 255 पद सृजित किए गए हैं।

भजनों व गीतों की धुन पर 'नवरात्रि डांडिया नाइट' में युवा वर्ग जमकर थिरका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन व युवा संघ द्वारा किंग्स कोर्ट हॉल में 'नवरात्रि डांडिया नाइट-2025' का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में युवा वर्ग ने भाग लिया। कार्यक्रम पैलेटिनम प्रायोजक वेंकटेश्वरा पेपर एजेंसी के वेणुगोपाल अनीता बजाज परिवार सहित अन्य प्रायोजकों ने संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियाणी, युवा संघ के अध्यक्ष विवेक भूतड़ा, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भगवान दास लाहोटी, माहेश्वरी सौहार्द को-आपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन गोपाल दास इनानी, महिला संगठन की सचिव निर्मला काँकाणी, युवा सचिव निखिल सोनी ने मिलकर माँ जगदम्बा की पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीजे के संगीत व प्रियंका घई के भजनों पर बड़ी संख्या में उपस्थित युवा वर्ग सहित पुरुष व महिलाओं ने गरबा व डांडिया रास का खूब आनंद उठाया। प्रतियोगिता के निर्णायक परिंदा व कल्पेश् ने आकर्षक वेश भूषा, सर्वोत्तम डांडिया नृत्य करने वाले कुल 30 प्रतिभागियों का चयन कर कोकोनट किचन एंड होम स्टीलनेस द्वार की ओर से पुरस्कार दिए गए। पंचकेसरी ज्वेलर्स द्वारा लक्की ड्रा के विजेताओं को इनाम दिए गए।

प्रधानमंत्री मोदी के 'पंच प्रण' ही विकसित भारत की आधारशिला : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'पंच प्रण' ही विकसित भारत की आधारशिला है। योगी 17वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत सोमवार को मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व ओडिशा के प्रतिभागियों से संवाद कर रहे थे।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के 'पंच प्रण' की चर्चा की और कहा कि यह विकसित भारत की आधारशिला बनेंगे। इस दौरान खेल व युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी मौजूद रहे। 25 सितंबर से शुरू हुआ यह कार्यक्रम एक अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में युवाओं का स्वागत व अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा, यह पहल न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच है, बल्कि देश की एकता, अखंडता और विविधता में निहित एकता की भावना को सशक्त करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, आज लखनऊ में देश भर के लगभग 200 नौजवान इस अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इस कार्यक्रम के जरिए हमें पूरे देश को देखने, समझने और एक-दूसरे के साथ अपनी संस्कृति को साझा करने का अवसर भी प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि भले ही अलग अलग राज्यों व क्षेत्रों की बोली-भाषा में थोड़ा अंतर हो, लेकिन पूरे भारत की भाव-भंगिमा एक है।

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों के सामने विकसित भारत का बड़ा विजन रखा है और भारत तब विकसित होगा, जब हर देशवासी के मन में विकसित होने का संकल्प होगा और वे इसे अपने जीवन का मंत्र बनाएंगे।

योगी ने कहा, कांदला, कालाहांडी, सिंहभूमि, गडचिरोली, कांकेर, नारायणपुर, बालाघाट हो या बीजापुर, जब यह सभी विकसित होंगे तो भारत विकसित होगा। जब देश विकसित होगा तो 140 करोड़ भारतवासियों की आशा और आकांक्षा के अनुरूप हमें विकास हर जगह देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने मोदी के 'पंच प्रण' का जिक्र किया और कहा कि हर भारतवासी के मन में पंच प्रण आना चाहिए और हमारे मन में विरासत पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सामाजिक एकता यानी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', 'नेशन फर्स्ट' के इस अभियान के साथ हम सभी जुड़कर कार्य करेंगे और सामाजिक एकता का यह भाव हर भारतीय के मन में होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी की शुभकामनाएं भी दीं।

पश्चिम बंगाल : महासप्तमी के साथ दुर्गा पूजा की औपचारिक शुरुआत हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सोमवार को आसमान में बादल छाए रहने, उमस और हल्की बूंदाबांदी के बावजूद दुर्गा पूजा को लेकर उत्साह में कोई कमी नहीं देखी गयी तथा लोगों ने पारंपरिक ढंग और श्रद्धा के साथ महासप्तमी मनायी। नदी के किनारे पर्व पर किए जाने वाले स्नान से लेकर पंडालों तक लोगों की लंबी कतार देखने को मिली। महासप्तमी के साथ ही दुर्गा पूजा उत्सव पूर्ण रूप से शुरू हो गया। इस दौरान भक्ति और उल्लास साथ देखने को मिलते हैं और इस माहौल की अन्य किसी से अवसर से तुलना नहीं की जा सकती।

सूर्योदय के साथ ही हुगली के घाट और बंगाल भर के तालाब शंखों की ध्वनि और ढाक (ढोल) की थाप से गूंज उठे, क्योंकि पुजारी 'नवपत्रिका' को स्नान करा रहे थे।

एशिया कप में भारत की जीत के बाद लगता है कांग्रेस बेहोश हो गई है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत के बाद विपक्षी पार्टी संभवत: 'बेहोशी की हालत' में चली गई है।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर हमारी राष्ट्रीय टीम को टूर्नामेंट में तीन बार पाकिस्तान को हराने और एशिया कप जीतने के लिए बधाई देने वाला एक भी पोस्ट नहीं आया।'' उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत ने राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस को बेहोशी की हालत में पहुंचा दिया है। मालवीय ने आरोप लगाया, ''जैसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब वे भारतीय सेना को बधाई देने के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाए, वैसे ही अब वे भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने में राष्ट्र के साथ शामिल होने से पहले मोहसिन नकवी और पाकिस्तान में अपने अन्य

आकाओं से अनुमति का इंतजार करते दिख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''एक बार फिर पाकिस्तान, राहुल गांधी और कांग्रेस एक ही तरफ नजर आ रहे हैं।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान पर जीत के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के साथ प्रतीकात्मक तुलना करते हुए बधाई दी थी। 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में मोदी ने लिखा, ''खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर! नतीजा वही है – भारत जीतता है!'' महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सकपाल ने नागपुर में प्रधानमंत्री की टिप्पणी की आलोचना की। उन्होंने कहा, ''यह पहली बार नहीं है जब भारत ने एशिया कप जीता है। हमें अपनी टीम की जीत पर गर्व है, लेकिन प्रधानमंत्री की नीति हर चीज का ध्रुवीकरण करने की है, चाहे वह हवा हो, पानी हो या खेल ही क्यों न हो।'' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ''राष्ट्र की गरिमा का ध्यान नहीं रखते'', जिसका अंदाजा ''ऐसे जश्न के मौकों पर उनके बयानों से लगाया जा सकता है।''

वरिष्ठ कांग्रेस नेता नसीम खान ने भाजपा पर हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और कहा कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''जिस तरह से पड़ोसी देश ने हाल के दिनों में हमारे नागरिकों के साथ व्यवहार किया है, उन्होंने हमारी महिलाओं के 'सिंदूर' मिटा दिए, कम से कम हमें उनके साथ नहीं खेलना चाहिए था...भारतीय टीम ने हमेशा समर्पण के साथ प्रदर्शन किया है और देश का सम्मान बढ़ाया है... हर चीज का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।'' महाराष्ट्र भाजपा के मीडिया प्रमुख नवनाथ बान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए देश पहले है, जबकि कांग्रेस के लिए ''पाकिस्तान पहले है''। बान ने कहा कि कांग्रेस भारत की जीत से खुश नहीं दिखी और ''पाकिस्तान की हार से ज्यादा दुखी'' लग रही थी। प्रधानमंत्री की तुलना का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक है और आतंकवादियों को करारा जवाब है।'' भाजपा नेता ने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री मोदी ने ''सैनिकों की वीरता और खिलाड़ियों की उपलब्धियों'' को प्रभावी ढंग से जोड़ा है और इसे 'नए भारत' का प्रतीक बताया है। बान ने कहा, ''भारत हमेशा खेल भावना से खेलता है, लेकिन ताकत और ईमानदारी से जीतता है।''

ओडिशा मंत्रिमंडल ने 2,200 प्राथमिक स्कूल स्थापित करने की योजना के लिए 12,000 करोड़ रुपए मंजूर किए

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा मंत्रिमंडल ने गोदावरीश आदर्श विद्यालय (जीएवी) योजना के तहत 2025-26 से तीन वर्षों में 2,200 प्राथमिक विद्यालय स्थापित करने के लिए 12,000 करोड़ रुपए के परिव्यय को सोमवार को मंजूरी दी। यह जानकारी मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दी।

माझी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 226 करोड़ रुपए की लागत से क्योंझर जिले के घाटगांव में मां तारिणी मंदिर के सौंदर्यीकरण सहित तीन अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएवी योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक आदर्श प्राथमिक विद्यालय विकसित किया जाएगा। ओडिशा की पूर्ववर्ती बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया, ''पूर्ववर्ती सरकार के 24 साल के शासन में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई थी। उन्होंने 5टी परिवर्तन के नाम पर विद्यालयों की टूटी-फूटी दीवारों पर सिर्फ रंग-रोगन किया।'' 5टी पहल बीजू जनता दल (बीजद) सरकार का एक शासन मॉडल था, जो टीमवर्क, ट्रांसपैरेंसी (पारदर्शिता), टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी), टाइम (समय) और ट्रांसफॉर्मेशन (परिवर्तन) पर केंद्रित था। माझी ने बताया कि राज्य में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने जीएवी योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि जीएवी योजना का उद्देश्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के उद्देश्यों के अनुरूप समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देते हुए पंचायत स्तर पर आदर्श विद्यालय स्थापित करना है।

कांग्रेस-राजद ने पिछड़ा-अति पिछड़ा समाज को ठगा : प्रेम कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार सरकार के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता प्रेम कुमार ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर पिछड़े एवं अति पिछड़े समाज को ठगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भी दोनों दल सत्ता में रहे तो उन्होंने न इस समाज को अधिकार दिया और न सम्मान।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कुमार ने राजद के 'कर्पूरी अतिपिछड़ा अधिकार सम्मेलन' पर निशाना साधते हुए दावा किया कि इस कार्यक्रम में तेली, कानू, दांगी और चौरासिया जातियों के लिए प्रवेश पर रोक लगा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि तेली समाज से राजद के वरिष्ठ नेता एवं 'बिहार तैलिक साहू समाज' के अध्यक्ष, विधायक रणविजय साहू और कानू समाज के नेता एवं राजद व्यावसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपाल गुप्ता को इस कार्यक्रम से लौटा दिया गया। उन्होंने कहा, यही है उनका अतिपिछड़ा अधिकार मॉडल।'' कुमार ने कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव आज 'जननायक' के नाम पर अतिपिछड़ा समाज का वोट लेने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनके पिता लालू प्रसाद यादव कर्पूरी ठाकुर का हमेशा अपमान करते रहे।

भाजपा नेता ने दावा किया, ''लालू यादव ने कर्पूरी बाबू को 'कपटी ठाकुर' कहा था और उनके नाम पर एक भी ठोस काम नहीं किया, जबकि राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार ने उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया और पिछड़ा आयोग को संवैधानिक मान्यता दी।''कुमार ने कहा कि राजग सरकार बिहार का पहला कौशल विश्वविद्यालय कर्पूरी ठाकुर के नाम पर स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा, ''अतिपिछड़ा कल्याण बजट में 44 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। 2022 में अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) आयोग का गठन हुआ। सभी जिलों में कर्पूरी ठाकुर छात्रावास स्थापित कर शिक्षा और छात्रवृत्ति की सुविधा दी गई।''

कुमार ने कहा, ''पिछले 20 वर्षों से बिहार सरकार और 11 वर्षों से मोदी सरकार दृढ़ संकल्प के साथ पिछड़ा-अति पिछड़ा समाज को सशक्त कर रही है। महागठबंधन के चुनावी मेढ़क चुनाव आते ही पिछड़ा-अतिपिछड़ा समाज के कल्याण का राग अलापने लगते हैं।''

कांग्रेस का प्रधानमंत्री पर कटाक्ष: जीत के करीब हों तो थर्ड अंपायर कहने पर युद्धविराम नहीं करते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से यह सीखने की जरूरत है कि जब जीत के करीब हों, तो किसी थर्ड अंपायर के कहने पर अच्छे कप्तान युद्धविराम नहीं करते। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम की जीत के बाद कहा था कि खेल के मैदान में भी 'ऑपरेशन सिंदूर' हुआ और इसमें भी भारत ने जीत हासिल की।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने उनकी इस टिप्पणी को लेकर कटाक्ष करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' प्रधानमंत्री जी, पहली बात तो एक क्रिकेट मैच की तुलना युद्ध के मैदान से करना ठीक नहीं है। दूसरी बात, अगर आपने तुलना कर ही दी तो आपको भारतीय टीम से यह सीखने की ज़रूरत है कि जब जीत के करीब हों, तो किसी थर्ड अंपायर के कहने पर अच्छे कप्तान सीज़फायर नहीं करते।'' खेड़ा के कटाक्ष का आशय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई बार किए गए इस दावे से था कि इस साल मई महीने में भारत और पाकिस्तान के पीछे युद्धविराम करवाया। भारत सरकार का कहना रहा है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के संपर्क किए जाने के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर विचार किया गया।

युद्ध अब महीनों में नहीं, घंटों और सेकंडों में मापा जाता है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि युद्ध अब ''महीनों में नहीं, बल्कि घंटों और सेकंडों में मापा जाता है'', क्योंकि उपग्रह, ड्रोन और सेंसर संघर्ष की प्रकृति को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

उन्होंने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) से एक ऐसा भविष्योन्मुखी रोडमैप विकसित करने का आग्रह किया जो नई चुनौतियों का पूर्वानुमान लगा सके, अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत कर सके और रणनीतियों को लगातार अनुकूलित कर सके। यहां बल के मुख्यालय में आयोजित 42वें आईसीजी कमांडर सम्मेलन में अपने संबोधन में, सिंह ने यह भी रेखांकित किया कि साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अब काल्पनिक खतरे नहीं हैं, बल्कि वर्तमान की हकीकत हैं। उन्होंने कहा, ''कोई राष्ट्र मिसाइलों से नहीं, बल्कि हैकिंग, साइबर हमलों और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के जरिए हमारे सिस्टम को पंगु बनाने की कोशिश कर सकता है।

आईसीजी को ऐसे खतरों से बचाव के लिए अपने प्रशिक्षण और उपकरणों को लगातार अनुकूलित और उन्नत करना होगा। प्रतिक्रिया समय को सेकंडों में कम करने और हर समय तत्परता सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित निगरानी नेटवर्क और एआई-सक्षम प्रणालियां आवश्यक हैं।''

वैचारिक लड़ाई हारने वाले लोग राहुल को चुप कराने के लिए रच रहे 'साजिश' : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पूर्व नेता द्वारा राहुल गांधी पर की गई विवादास्पद टिप्पणी को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला जारी रखते हुए कहा कि जो लोग वैचारिक लड़ाई हार रहे हैं और जिनकी चोरी उजागर हो गई है, वे विपक्ष के नेता को चुप कराने के लिए साजिश रच रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने आरएसएस की छात्र इकाई एबीवीपी के पूर्व नेता प्रिंटू महादेव द्वारा राहुल गांधी को दी गई जान से मारने की भयावह और जघन्य धमकी का उल्लेख करते हुए यह कहा। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को कहा, भाजपा के एक प्रवक्ता ने टीवी पर कहा कि 'राहुल गांधी के सीने में गोली मार दी जाएगी' और उस प्रवक्ता पर कोई कार्रवाई भी नहीं की गई।

खेड़ा ने कहा, इससे पहले सीआरपीएफ ने (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन) खरगे जी को राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर एक पत्र लिखा था और उसे लीक कर दिया गया था। उनकी सुरक्षा का राजनीतिकरण क्यों किया जा रहा है और ऐसा माहौल क्यों बनाया जा रहा है। खेड़ा ने कहा कि इसमें किसी साज़िश की बू आ रही है। उन्होंने सवाल किया कि यह साज़िश कौन रच रहा है? कांग्रेस नेता ने दावा किया, ये वही लोग हैं जो वैचारिक लड़ाई हार रहे हैं, जिनके पास विरोधी विचारों को हराने के लिए विचारों के हथियार नहीं हैं। इस साज़िश का पर्दाफ़ाश होना ज़रूरी है। पहले आपने राहुल गांधी को गालियों से चुप कराने की कोशिश की और अब उन्हें गोलियों से धमका रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों का भी ज़िक्र किया।

एशिया कप का फाइनल भारत, पाक खिलाड़ियों के बीच तनातनी का मुकाबला बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय टीम एशिया कप चैंपियन बनीं लेकिन पूरे टूर्नामेंट में टीम के शानदार प्रदर्शन की जगह भारत और पाकिस्तान के बीच मैदान पर अपेक्षित सौहार्द की जगह तनातनी ने सुर्खियां बटोरी जहां दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैच के दौरान और इसके बाद आक्रामक रवैया दिखाया। यह टूर्नामेंट शुरू से ही तनावपूर्ण रहा और फाइनल तक माहौल और गर्मा गया। भारत ने रविवार को रोमांचक फाइनल में पांच विकेट से जीत दर्ज की।

इस टकराव की शुरुआत उस समय हुई जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले और भारतीय सुरक्षाबलों के समर्थन में पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। फाइनल आते-आते यह पूरी तरह एक दूसरे के खिलाफ टकराव जैसी स्थिति में बदल गया। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 18वें ओवर में एक शानदार यॉर्कर से हारिस रऊफ को बोल्ड किया और इसका जश्न सुपर चार चरण में रऊफ के 'विमान गिरने' के इशारे की नकल कर बनाया। बुमराह के जश्न मनाने का यह तरीका तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रऊफ ने इस हरकत से भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का मजाक उड़ाया था। भारतीय सेना ने पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या के बाद पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक सैन्य अभियान चलाया था। फाइनल में रऊफ के विकेट उखाड़ने के बाद बुमराह की यह प्रतिक्रिया उसी मजाक उड़ाने की कोशिश का करारा जवाब था। भारत ने बेहद तनावपूर्ण माहौल में खेले गये फाइनल मैच में कई बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए यादगार जीत दर्ज की। टीम ने हालांकि पाकिस्तान के गृह मंत्री और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से विजेता ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। पुरस्कार समारोह लगभग एक घंटे की देरी से शुरू हुआ और विजेता टीम को ट्रॉफी दिये बिना खत्म हो गया। नकवी पुरस्कार समारोह के दौरान मंच से उतरने को तैयार नहीं थे और भारतीय खिलाड़ी उनके हाथों पुरस्कार नहीं लेना चाहते थे। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रॉफी की 'इमोजी' के साथ जीत का जश्न मनाया। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप सिंह, जितेश शर्मा और हर्षित राणा ने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद की 'सिर से पवेलियन जाने के इशारे' जैसे जश्न की नकल की। अबरार ने संजू सैमसन को आउट करने के बाद इस तरह का इशारा किया था। वरुण चक्रवर्ती ने एक चाय के कप की तस्वीर साझा की, जो ट्रॉफी और विजेता पदक का प्रतीक था। पूरे टूर्नामेंट के दौरान दोनों टीमों के बीच तनाव साफ महसूस किया जा सकता था। भारत की 'हाथ ना मिलाने' की नीति पाकिस्तान के खेमे को रास नहीं आई और उन्होंने इसके लिए जिम्बाब्वे के मैच रेफरी एंडी पाइक्राफ्ट को दोषी ठहराया।

वे काफी कुछ कह रहे थे, मैं बस बल्ले से जवाब देना चाहता था : तिलक

दुबई/भाषा। तिलक वर्मा एशिया कप के फाइनल के दौरान जब क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया।

शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया, लेकिन उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और काफी दबाव वाली परिस्थितियों में कमाल की बल्लेबाजी की। तिलक ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' पर टीम के साथी खिलाड़ी शिवम दुबे के साथ बातचीत में कहा, ''मैं बल्ले से जवाब देना चाहता था वे बहुत सारी बातें कह रहे थे और मैं सिर्फ अपने बल्ले से जवाब देना चाहता था। अब वे मैदान पर दिखाई नहीं दे रहे हैं।'' दुबे और तिलक के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी ने भारत को दो गेंद शेष रहते एशिया कप जिताने में मदद की। तिलक 53 गेंदों पर 69 रन बनाकर नाबाद रहे। दुबे ने इसके बाद हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ''मुझे लगता है कि मेरे बल्ले ने भी बात की, उनके पास मुझे कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था'' तिलक ने कहा कि स्टेडियम के माहौल ने उन्हें इतने बड़े मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सुविचार

शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कब होगा भीड़ प्रबंधन में सुधार?

तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख विजय की रैली में भगदड़ से 40 से ज्यादा लोगों की मौत होने की घटना अत्यंत दु:खद है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि उत्साह और खुशियों का माहौल अगले ही पल मातम में बदल जाएगा। देश में हर साल भगदड़ की घटनाएं हो रही हैं। इन पर टीवी डिबेट होती हैं, सोशल मीडिया पर पोस्ट चलती हैं, 'किसी को बख्शा नहीं जाएगा' – जैसे बयान सुनने को मिलते हैं, आरोप–प्रत्यारोप के दौर चलते हैं, मुआवजा बंटता है। उसके बाद बात आई–गई हो जाती है। फिर किसी भगदड़ का इंतजार किया जाता है। क्या आम आदमी की जान की इतनी ही कद्र है? क्या सरकारों को ऐसी घटनाओं से सबक लेकर कुछ ठोस कदम नहीं उठाने चाहिएं? आज सरकारों के पास तकनीकी साधनों की कमी नहीं है। क्या वे भीड़ प्रबंधन को बेहतर नहीं बना सकतीं? बार–बार आम आदमी ही पिसता और मरता है। आखिर सरकारें कब जागेंगी और कब लोगों की सुध लेंगी? कुछ राजनेताओं ने तो चुनावी राजनीति को ही सबकुछ समझ लिया है। वे तस्वीरों और वीडियो में भीड़ दिखाकर वाहवाही पाना चाहते हैं कि यह है हमारा जलवा! आम आदमी की फिक्र कौन करे? बेशक लोकतंत्र में चुनावी रैलियों का महत्त्व है। ऐसे आयोजनों से राजनीतिक समझ बढ़ती है और जनमत का निर्माण होता है। देश की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करने के लिए ऐसी रैलियां बहुत बड़ा माध्यम साबित हो सकती हैं। राजनेताओं और पार्टियों को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि सिर्फ भीड़ जुटाने पर जोर न रहे।

लोगों की जान आपके चुनाव प्रचार से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। जो परिवार ऐसे आयोजनों में अपने सदस्यों को गंवाते हैं, क्या उनकी भरपाई संभव है? राजनेताओं को ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाकर अपनी लोकप्रियता का प्रदर्शन करने से कुछ परहेज करना चाहिए। आयोजन स्थल की जितनी क्षमता हो, उससे कम ही भीड़ इकट्ठी करें। अपने निमंत्रण पत्रों और सोशल मीडिया पोस्टस में इस बात का साफ उल्लेख करना चाहिए कि हमारे लिए वोट से ज्यादा जरूरी आपका जीवन है, इसलिए आयोजन स्थल की क्षमता से ज्यादा लोगों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जो लोग वहां न आ सकें, वे सोशल मीडिया पर भाषण सुन सकते हैं। चुनावी रैलियों में पार्टियों एवं राजनेताओं के झंडे, पोस्टर, बैनर के साथ–साथ ताजा हवा, पानी और प्राथमिक चिकित्सा जैसे इंतजाम जरूर करने चाहिएं। पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस और दमकल की व्यवस्था करना न भूलें। यह सोचकर अति–आत्मविश्वास नहीं पालना चाहिए कि पिछली रैलियों में कोई हादसा नहीं हुआ था तो आगे भी नहीं होगा। प्राय: भीड़ में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनका पूरा जोर व्यवस्था बिगाड़ने पर होता है। वे धक्का–मुक्की करते हैं, हुड़दंग का माहौल बनाते हैं, चीखते हुए ऐसी हरकतें करते हैं कि अन्य लोग भी उनके उकसावे में आएं। इसके बाद एक सिलसिला बन जाता है और व्यवस्था इस तरह बेपटरी होती है कि रंग में भंग पड़ जाता है। ऐसे लोगों पर सीसीटीवी कैमरों और ड्रोनों आदि से नजर रखनी चाहिए। उन्हें फौरन बाहर निकाल देना चाहिए। उनकी गलत हरकतों की कीमत अन्य लोग क्यों चुकाएं? हाल के वर्षों में धार्मिक स्थलों पर भगदड़ की कई घटनाओं में ऐसे लोगों की भूमिका रही, जिन्होंने आगे बढ़ने के लिए धक्का–मुक्की करते हुए व्यवस्था बिगाड़ी थी। जब एक बार भगदड़ मच जाती है तो उसे तुरंत रोकना बहुत मुश्किल होता है। उस समय हर कोई अपनी जान की परवाह करता है। पैरों तले कौन है, इसकी ओर ध्यान नहीं जाता। सरकारों को इन घटनाओं से सबक लेते हुए ऐसी व्यवस्थाओं का निर्माण करना चाहिए, जहां न तो कोई भगदड़ मचे और न किसी की जान जाए।

ट्वीटर टॉक

माँ दुर्गा के आठवें स्वरूप माँ महागौरी की आराधना के पावन अवसर दुर्गा अष्टमी पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। मां महागौरी आप सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य, समृद्धि और ऐश्वर्य का संचार करें।

–वसुंधरा राजे

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र हेतु 170 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इस अवसर पर क्षेत्र की जनता को विकास कार्यों की उपयोगिता तथा दूरगामी लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

–भजनलाल शर्मा

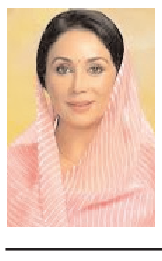

विद्याधर नगर विधानसभा स्थित ग्रेटर नगर निगम उपायुक्त कार्यालय,मुरलीपुरा में आयोजित शहरी सेवा शिविर 2025 का शुभारंभ कर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनी और त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

कल्पना-साहस का जीवन

जीवन के शुरुआती दौर में चार्ली चैपलिन की दुनिया केवल दो लोगों तक सीमित थीउनकी मां और बड़े भाई। परिवार बेहद कठिन समय से गुजर रहा था। वे गिरजाघरों की सहायता पर निर्भर थे और कई बार शो की टिकटें बेचकर ही गुज़ारा होता था। सिडनी स्कूल में पढ़ाई के साथ–साथ चैपलिन अख़बार भी बेचते थे, फिर भी जरूरतें पूरी नहीं हो पाती थीं। चैपलिन के अनुसार, जीवन में सबसे बुरी चीज़ है ऐशो–आराम की लत। उनकी मां हाना ने उन्हें सिखाया कि जब जेब खाली हो, तब भी मन और कल्पना से जीवन को रंगीन बनाया जा सकता है। वे खिड़की पर बैठकर राह चलते लोगों को देखकर उनके हावभाव से चरित्र गढ़तीं, कहानियां सुनातीं, और कभी–कभी उनकी नकल भी करतीं। यही कल्पनाशक्ति और अभिनय कला चैपलिन के व्यक्तित्व में उतर आई। चैपलिन मानते थे 'जिंदगी खूबसूरत हो सकती है, अगर आप इससे डरें नहीं। ज़रूरत है बस थोड़े से पैसों, थोड़े से साहस और ढेर सारी कल्पना की।' उनकी एक अमूल्य सीख आज भी प्रेरणा देती है 'अगर आप नीचे देखेंगे, तो कभी भी इंद्रधनुष नहीं देख पाएंगे।

सामयिक

भीड़, हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार–बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बेंगलूरु में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते–होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने–बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग–इन सबकी जड़ में भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ जांच समिति' और मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है। आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की हीरो–दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

नजरिया

गांधीजी : नर में नारायण की व्यथा

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

गांधीजी को लेकर कुछ कहना आसान नहीं है। गांधीजी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं थे, वह कई संस्थाओं के समुच्चयीकृत रूप थे। उनके कृतित्व–व्यक्तित्व के इतने वैविध्यपूर्ण आयाम हैं कि उनको लेकर विमर्श की पृष्ठभूमि का निर्माण अत्यन्त चुनौतीपूर्ण है। गांधीजी ने सन 1925 में एक पुस्तक लिखी थी–'द स्टोरी ऑफ माइ एक्सपेरीमेंट विद ट्रुथ'! यह उनकी आत्मकथा है। आज यह भारत की हर भाषा में उपलब्ध हैं। इसकी रोशनी में देखने पर वह जन्मजात महान नहीं थे। महात्मा की सीमा तक पहुंचना उनकी शून्य से शिखर की यात्रा है। उनका बचपन एकदम सामान्य था। पोरबन्दर में बीते आरम्भिक दिनों के विषय में उन्होंने लिखा है, वह किसी पाठशाला में भरती कराए गए थे। तब थोड़े से अक्षर गिनती जानने के साथ उन्होंने दूसरे लड़कों के साथ अपने शिक्षक को गाली देना सीखा था। बाद में सात साल की उम्र में राजकोट की ग्रामशाला में उनका नाम लिखाया गया। मिडिल स्कूल तक पहुँचने में वह बारह साल के हो गए थे। तब वह बेहद शर्मीले थे। उन्होंने किसी को मित्र नहीं बनाया था। वह अत्यन्त साधारण श्रेणी के विद्यार्थी थे। स्कूल से छुट्टी होने पर वह घर की तरफ भाग लेते थे। क्योंकि उनको डर लगता था, कोई मजाक न उड़ाने लगे!

तेरह साल की उम्र में उनका विवाह हो गया था। इस बीच वह 'श्रवण–पितृभक्ति' नाटक की किताब पढ़ चुके थे। 'सत्यवादी हरिश्चंद्र' नाटक भी देख लिए थे, जिसके फलस्वरूप उनके अन्दर पिता के प्रति सेवा भावना और सत्य पर गहरी निष्ठा का बीजारोपण हो चुका था। जन्मजात गुण की बात पर यह कह सकते हैं कि वह धोखेबाज नहीं थे। कभी जाने–अनजाने विश्वास तोड़ने वाली कोई बात हो जाती तो पश्चाताप से बेचैन हो जाते थे। चौदह–पन्द्रह साल की उम्र तक वह चोर, भूत, साँप आदि से बहुत डरते थे। अँधेरे में कहीं जाना उनके लिए बड़ा मुश्किल होता था। ऊपर से यह और शर्म की बात थी कि उनकी पत्नी कस्तूरबाई निडर थीं। अँधेरे–उजाले में समान भाव से बेधड़क आ–जा सकती थीं। मित्रों के कहने से बलवान और साहसी बनने के लिए उन्होंने मांसाहार करना शुरू किया। इस कृत्य में उनके एक बड़े भाई भी शामिल थे। मांसाहार के चलते उन पर करीब पच्चीस रुपये का कर्ज हो गया था। उसकी अदायगी के लिए भाई के हाथ में पहने सोने के कड़े से एक तोला सोना निकाला गया था। किसी को कानों कान खबर नहीं हुई। किन्तु इसमें छिपी बुराई से वह इतने आहत हो उठे कि पूरा वाकया कागज पर लिखकर माफीनामा के रूप में पिता के सामने पेश कर दिया था। इसे पढ़कर पिता ने जिस ग्लानि और हताशा के भाव से उनको माफ किया था, उसे वह ताजिंदगी नहीं भूले।

सन 1887 में गांधीजी ने मैट्रिक की परीक्षा पास की। आगे की पढ़ाई के लिए भावनगर के शामलदास कालेज में दाखिला लिये। यहाँ उनका प्रदर्शन अत्यन्त निम्न था। किसी तरह एक सत्र पूरा करके घर आ गए। कुटुम्ब के पुराने ब्राह्मण मित्र मावजी दवे की सलाह से बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड जाने का फैसला हुआ। माँ को मांस, परस्त्री और मदिरा को लेकर आशंका थी। आखिर परिवार के आदरणीय जैन साधु बेचरजी स्वामी ने उन्हें इन चीजों से दूर रहने की प्रतिज्ञा दिलाई, तब माँ की तरफ से सहमति मिली। आखिर 1888 में सितम्बर की 4 तारीख को उनका जहाज बम्बई बंदरगाह से आगे बढ़ा।

जूनागढ़ के वकील त्र्यम्बकराय मजूमदार के अलावा जहाज पर सभी अंग्रेज थे, जिनके साथ गांधीजी वार्तालाप में बहुत असहज महसूस करते थे। मजूमदार उनको समझते थे कि वकील की जबान खूब चलनी चाहिए, किन्तु अठारह साल के मोहनदास करमचंद गांधी का सोया हुआ आत्मविश्वास जागता ही नहीं था। वह तीन साल इंग्लैंड में रहे। वहाँ रहने वाले भारतीय डॉ. प्राणजीवन मेहता, दलपतराम शुक्ल, प्रिंस रणजीत सिंह और दादाभाई नौरोजी से भी वह कभी खुलकर बातचीत नहीं कर सके। सर एडविन आर्नाल्ड, डॉ. ओल्डफील्ड जैसे कई अंग्रेज लोगों से उनका परिचय जरूर हुआ था, किन्तु किसी के साथ वह वार्तालाप में अंतरंगता नहीं स्थापित कर सके थे।

विलायत में मांसाहार से बचने के सन्दर्भ में जैसी दृढ़ता उन्होंने दिखाई, वह अपूर्व है। इसके सामने उनकी आत्मविश्वासहीनता एक विरोधाभाष ही कहा जाएगा। सन 1891 में वह बैरिस्टर बन गए। ढाई शिलिंग शुल्क देकर इंग्लैंड के हाईकोर्ट में अपना नाम दर्ज कराया और हिन्दुस्तान चले आए। यहाँ बम्बई में उनको पहला मुकदमा ममीबाई का मिला। इसमें जिरह के लिए छोटी अदालत में जाना था। इस सम्बन्ध में वह अपनी आत्मकथा में लिखते हैं– मैं पहली बार स्मॉल कॉज कोर्ट में प्रवेश किया...मैं खड़ा तो हुआ, पर पैर कांपने लगे। सिर चकराने लगा। मुझे लगा, मानो अदालत घूम रही है। सवाल कुछ सूझते ही न थे। जज हंसा होगा। वकीलों को मजा आया होगा। पर मेरी आँखों के सामने तो अंधेरा था, मैं देखता क्या?'

बम्बई छोड़कर वह राजकोट आ गए, किन्तु यहाँ भी किस्मत में धक्के खाना लिखा था। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका की मेनन फर्म' से उनके भाई के पास एक आफ़र आया, जिसमें मार्ग व्यय, रहने और भोजन खर्च के बाद 105 पौंड देने की बात थी। भाई ने उनसे बताया तो बिना किसी झिक–झिक के उन्होंने सेठ अब्दुल करीम का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। सन 1893 में वह उमंगों से भरे दक्षिण अफ्रीका के लिए जलयान पर सवार हो गए। यहाँ भी सफलता चांदी की तश्तरी में सजाकर रखी नहीं मिली। सबसे खराब बात तो यह थी कि दक्षिण अफ्रीका में वह कुली बैरिस्टर कहे गये। उन्हें कदम–कदम पर कड़ा संघर्ष करना पड़ा। मगर वह सफलता का कीर्तिमान रचते चले गए। नेटाल के सेठ अब्दुल्ला का अपने ही रिश्तेदार प्रिटोरिया के सेठ तैयब हाजी खानमहम्मद का चालीस हजार पौंड का तनाजा था। दोनों ही सेठ अपने–अपने क्षेत्र में अच्छे रसूख वाले थे। नेटाल से प्रिटोरिया पहुँचकर गांधीजी ने सेठ तैयब हाजी से जान–पहचान बना लिया। गांधीजी ने दोनों सेठों के बीच सम्मान और सुविधायुक्त समझौता करा दिया। इससे दोनों सेठों में ही नहीं, पूरे प्रवासी हिन्दुस्तानी समाज में उनकी साख स्थापित हो गई। प्रवासी लोगों ने उनको अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए दक्षिण अफ्रीका में रोक लिया।

वह वहीं रहकर वकालत और समाज सेवा के काम में लग गए। सन 1896 में वह पत्नी और बच्चों को लेने हिंदुस्तान आए थे। बाद में 1901 में इंडियन नेशनल काँग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन अफ्रीकी काँग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में आए थे। उस समय गोखलेजी ने गांधी को भारत आकर यहाँ कांग्रेस के लिए काम करने का आग्रह किया था। किन्तु तब वह अफ्रीका की अधूरी लड़ाई छोड़कर आने के लिए तैयार नहीं थे। गांधीजी अफ्रीका लौट गए थे और लम्बी लड़ाई के बाद प्रवासियों के हक में गिरमिटिया टैक्स' जैसी असमानताओं को खत्म करा के सन 1914 में भारत लौटे। कहा जाता है, चौबीस साल के गांधी एक बैरिस्टर के रूप में अफ्रीका गए थे और पैंतालीस साल की उम्र में महात्मा बनकर हिन्दुस्तान लौटे। मूलतः दक्षिण अफ्रीका गांधीजी की प्राथमिक शाला थी, यहीं उनके सर्वांगीण विकास की दागबेल पड़ी।

पद्मश्री गिरिराज किशोर के उपन्यास पहला गिरमिटिया' में बाला सुन्दरम का एक प्रकरण आया है । इसमें एम. के. गांधी चाहते तो मिस्टर ब्राउन को सजा हो जाती। किन्तु जो न्याय हुआ, उससे बाला सुन्दरम को फायदा तो मिला। मगर ब्राउन को सजा न मिली । इस पर लोगों के आक्रोश भरे सवाल पर गांधी का गौर तालाब जवाब...हमारे हजारों भाई गोरों के यहाँ काम करते हैं, मि. ब्राउन को सजा दिलाना आसान था, पर उन सब को गोरों के कहर से बचाना मुश्किल हो जाता...। यही वह विंदु है, जहां कुली बैरिस्टर एम. के. गांधी में हम उस महात्मा के भ्रूण को देख सकते हैं, जिसके भविष्य के हर कृत्य को समाज के सबसे कमजोर आदमी की सुविधा से प्रेरित होना था। भारत आकर गांधीजी काँग्रेस से जुड़ गए थे। सन 1917 के चम्पारण आन्दोलन के बाद तो काँग्रेस और गांधीजी एक दूसरे के पर्याय हो गए थे। वह लोक जागरण के ऋषि के रूप में उभरे। लोक एक व्यापक अर्थधर्मी शब्द है। लोक की अपनी संस्कृति, रीति और सोच होती है। परम्परा, बोली, मान्यताएं और प्रथायें होती हैं। इनको जानने–समझने और सिद्ध करने वाला महामना ही लोकऋषि हो सकता है। गांधी जी अगर लोक की विरासत को न पहचानते तो पाखंड, जातीय विद्वेष, अशिक्षा, अस्पृश्यता, रूढ़िग्रस्तता और अंधविश्वास के घटाटोप से घिरे सामंती सोच वाले जड़ समाज को अपने नेतृत्व से स्फूर्तिमान और गतिशील कैसे बना पाते?

आजादी की पूरी लड़ाई में गांधीजी वह सक्रिय चेतना थे, जिनकी हर साँस में परम्परा, संस्कृति और लोक जीवन ध्वनित होता था। उन्होंने लोक की चिंता की तो लोक ने उन्हें समादृत करने में कोई कसर नहीं रखी। गांधी और उनके स्वराजी साथियों को लेकर इतने सोहर, बन्नागीत, उठान, गारी, उलारा, झूमर, फाग वगैरह लोक ने रचे हैं कि इसे एकत्र किया जाय तो स्वराजी लोकगीत' की एक मोती जिल्द बन सकती है। गांधीजी का भाषा चिन्तन बड़ा पारदर्शी था, वह भाषा को सिर्फ अभिव्यक्ति के साधन तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि इसे समाज की आशा और विश्वास के रूप में देखते थे। अपने भाषा सम्बन्धी मान्यताओं में वह बार–बार यह संकेत देते हैं कि भारत जैसे बहुभाषी देश में भाषाई संघर्ष का अर्थ है, समाज और संस्कृति का टूटना! वह गुजराती भाषा भाषी थे, लेकिन हिन्दी के प्रबल पक्षधर थे। क्योंकि देश में हिन्दी के व्यापक जानाधार और संस्कृति के बृहत्तर आयामों तक उसकी पकड़ का आकलन उन्हें था। हिन्दी उनके राष्ट्र निर्माण के सपने से सम्बद्ध थी। इसलिए हिन्दी के प्रचार–प्रसार को स्वतंत्रता संग्राम का एक अस्त्र बनाया और अपने रचनात्मक कार्यक्रम में खादी के साथ हिन्दी को भी प्रतिष्ठा दी।

गांधीजी विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ, समाजसेवी और पत्रकार थे। समाजशास्त्र, राज–नीतिशास्त्र, पत्रकारिता और न्यायशास्त्र उनके स्वाभाविक चिन्तन के विषय हो सकते थे। किन्तु धर्म, संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत, पर्यावरण, इतिहास, विज्ञान, अर्थशास्त्र और शिक्षा जैसे विषयों पर उनकी सोच इतनी तथ्यात्मक है कि समझ में नहीं आता, आखिर एक गांधी में कितने गांधी समाहित थे। शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी शिक्षा' और समग्र जीवन शिक्षा' जैसे दो सूत्र उन्होंने दिये हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं। हो सकता है, महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने इसी आधार पर उनके विषय में कहा हो कि भावी पीढ़ियाँ मुश्किल से यह विश्वास कर पायेंगी कि धरती पर हाड़–मांस का बना ऐसा कोई प्राणी कभी पैदा हुआ था।'

उन्नीसवीं सदी प्रतिभाओं के विस्फोट का युग था। बड़े–बड़े धुरंधर वैज्ञानिक, दार्शनिक, राजनेता इस कालखण्ड में पैदा हुए। किन्तु शायद ही किसी व्यक्ति पर इतनी अधिक कविताएं लिखी हों। हिन्दी में मैथली शरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर', माखनलाल चतुर्वेदी, सुमित्रानंदन पंत, सोहनलाल द्विवेदी, त्रिलोचन शास्त्री, नागार्जुन, ठाकुरप्रसाद सिंह, गयाप्रसाद शुक्ल सनेही', श्रीनारायण चतुर्वेदी, शम्भूनाथ सिंह जैसे मुख्यधारा के दिग्गज कवियों ने गांधी के लिए काव्यांजलियाँ अर्पित की हैं। गांधी पर पर दर्जनों वृत्तचित्र फिल्माएँ गए है। चरित्र प्रधान और विचारपरक फिल्में बनी हैं। कई फिल्मों में गांधीगीरी की आकर्षक ध्वनियाँ हैं । ढेर सारी किताबें लिखी गईं हैं। मेरा आकलन है कि विश्व में शायद ही किसी को भी साहित्य, कला और सेल्यूलाइड पर इतना स्पेस मिला होगा।

विद्यानिवास मिश्र का एक ललित निबन्ध है–'गांधी का करुण रस'! इसमें गांधी को समग्रता के स्तर पर देखने के क्रम में मिश्रजी ने कहा है–'हमारे देश ने या तो उन्हें महिमा के आलोक में छिपा रखा है या फिर उनको प्रतिगामी, सर्वहारा का शत्रु, पूंजीवाद का हथियार आदि एक से एक लफ्फाजी और विशेषणों से घेर रखा है। गांधी दोनों नहीं थे, वे नर के भीतर नारायण की बेसम्भाल व्यथा थे।' सच में यही गांधी का असली मूल्यांकन है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

टीम इंडिया की जीत पर साउथ सुपरस्टार्स का जश्न, चिरंजीवी से मोहनलाल तक ने कहा- ये गर्व का पल है

मुंबई/एजेन्सी

भारत ने एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर नौवीं बार खिताब अपने नाम किया। इस जीत से पूरे देश में उत्सव का माहौल छा गया। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक, हर जगह तिरंगा लहराता दिखा। ऐसे में साउथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज सितारे भी इस जश्न का हिस्सा बने। मलयालम सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता मोहनलाल ने इस यादगार जीत पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, ''पाकिस्तान के खिलाफ यह जीत पूरी तरह से शानदार रही। भारतीय टीम ने अपने अदम्य साहस से सबको हैरान कर दिया। यह जीत टीम इंडिया के जज्बे का प्रतीक है। बधाई हो, टीम इंडिया।''

वहीं साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी ने ये मुकाबला खुद स्टेडियम में बैठकर लाइव देखा। मैच के बाद उन्होंने स्टेडियम से अपनी एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, भारतीय क्रिकेट इतिहास का एक और सुनहरा सफर। एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान पर क्या शानदार जीत हासिल की। भारतीय टीम ने जुझारूपन, उत्कृष्टता और संयम का परिचय दिया। तिलक वर्मा को उनकी शानदार पारी के लिए बधाई। हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण।

तीसरे सुपरस्टार मम्मूटी ने भी अपने पोस्ट के जरिए टीम इंडिया को बधाई दी और कहा कि उन्होंने न सिर्फ एशिया कप जीता है, बल्कि पूरे टूर्नामेंट पर दबदबा बनाते हुए अपना परचम लहराया है। उन्होंने आगे लिखा, बिना एक भी हार के... चैंपियन हो आप। सचमुच शानदार है जीत।'' टीम इंडिया की यह जीत जहां मैदान पर खिलाड़ियों के पसीने और मेहनत की गवाही देती है, वहीं मैदान के बाहर हो रहे सेलिब्रेशन में यह साफ दिखता है कि क्रिकेट कैसे पूरे देश को एक सूत्र में पिरो देता है। बता दें कि एशिया कप के फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम 9वीं बार एशिया कप चैंपियन बनी है। इस जीत के हीरो बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने 53 गेंद पर नाबाद 69 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अभिषेक शर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

नेपाल की अंतरिम सरकार समय पर चुनाव कराने को प्रतिबद्ध : कार्की

काठमांडू/भाषा। नेपाल की नवनियुक्त प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने सोमवार को कहा कि उनकी अंतरिम सरकार निर्धारित समय पर आम चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्की(73) ने 12 सितंबर को देश की बागडोर संभाली थी। इसी के साथ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के पद से इस्तीफा देने के बाद कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता का दौर समाप्त हो गया था। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के मुद्दे पर युवाओं के नेतृत्व वाले 'जेन जेड'(1997 से 2012 के बीच जन्मे) समूह ने ओली की सरकार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन किया था।

'हिमालयन टाइम्स' अखबार के मुताबिक 'बड़ा दशईं' के अवसर पर एक संदेश में कार्की ने सोमवार को आश्वासन दिया कि प्रतिनिधि सभा के चुनाव समय पर होंगे।

बड़ा दशईं को 'विजयादशमी' के नाम से भी जाना जाता है। यह नेपाल में सबसे व्यापक रूप से मनाए जाने वाले हिंदू त्योहारों में से एक है।

इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने देश-विदेश में रहने वाले सभी नेपाली भाइयों और बहनों के लिए शांति, खुशी और समृद्धि की कामना की।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अपने संदेश में निर्धारित तिथि पर चुनाव कराने की अपील की।

पौडेल ने नागरिकों से शांति बनाए रखने तथा सरकार और संसद दोनों की निरंतरता का समर्थन करने का आह्वान किया।

क्या जनरेटिव एआई भविष्य में घाटे का सौदा साबित हो सकता है या बहुत ही कमाल की चीज बन जाए?

मॉन्ट्रियल। आज के जमाने में दुधारू गाय बन चुकी जेनरेटिव कृत्रिम मेधा (एआई) से अधिकाधिक लाभ कमाने की अंधी दौड़ में शायद ही किसी को यह फुर्सत हो कि वह इसके संभावित भावी पहलुओं के बारे में विचार करे। इन पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए कि यदि यह आपके सहकर्मियों के स्थान पर यदि बेहतर ढंग से काम नहीं कर पाये, कंपनियां एआई का ढंग से इस्तेमाल नहीं कर पायें या अधिकतर एआई स्टार्टअप विफल हो जाए, तो क्या होगा?

मौजूदा अनुमान बताते हैं कि बड़ी एआई कंपनियों को 800 अरब अमेरिकी डॉलर के राजस्व घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

फिलहाल जनरेटिव एआई से होने वाला मुनाफा बेहद कम है और इससे मुख्यत: सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर, लेखक, अनुवादक एवं संपादक ही पैसे कमा पा रहे हैं। जनरेटिव एआई कुछ अच्छे और उपयोगी काम करता है, लेकिन यह अभी तक नई अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाला इंजन नहीं बन पायी है। इसका भविष्य धूमिल नहीं है, लेकिन जैसा कि अभी प्रचारित किया जा रहा है, यह उससे काफी अलग है। जेनरेटिव एआई का भविष्य एआई कंपनियों द्वारा प्रचारित विमर्श में उपयुक्त नहीं बैठ रहा। भविष्य में होने वाले भारी लाभ का वादा कर निवेश के नये दौर को प्रोत्साहन मिल रहा है।

मुमकिन है कि जेनरेटिव एआई घाटे का सौदा साबित हो और यह भी संभव है कि कुछ मायने में यह बुरा भी नहीं हो। जेनरेटिव एआई एक तरह की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणाली है, जो मौजूदा जानकारी के विशाल डेटासेट से सीखकर नई, मौलिक सामग्री तैयार करने में सक्षम है, जिसमें टेक्स्ट से लेकर चित्र, संगीत, ऑडियो, वीडियो और कोड तक शामिल है। 'चैटजीपीटी' और 'जेमिनी' जैसी सस्ते शुल्क वाली या मुफ्त जनरेटिव एआई सेवाओं के संचालन पर अच्छी-खासी लागत आती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि एआई कंपनियां इनसे पैसा कैसे कमाएंगी। 'ओपन एआई' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन अपनी कंपनी की ओर से खर्च की जाने वाली राशि के बारे में खुलकर बात करते रहे हैं। उन्होंने एक बार मजाक में कहा था कि 'चैटजीपीटी' किसी चैट में जब भी 'कृपया' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द कहता है, तो कंपनी पर लाखों का खर्च आता है।

'ओपनएआई' को हर चैट पर प्रतिक्रिया देने में कितनी राशि खर्च करनी पड़ती है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन ऑल्टमैन ने कहा था कि हर सवाल के साथ आने वाली उच्च कंप्यूटिंग लागत के कारण 'पेड प्रो अकाउंट' पर भी नुकसान झेलना पड़ता है।

'पेड प्रो अकाउंट' से आशय ऐसे अकाउंट से है, जिसमें उन्नत फीचर एवं सुविधाओं का इस्तेमाल करने के लिए शुल्क का भुगतान करने की जरूरत होती है। कई स्टार्टअप की तरह जनरेटिव एआई कंपनियां ने भी कमाई के लिए पारंपरिक रणनीति अपनाई है : पैसे खर्च कर उपयोगकर्ताओं को ऐसे उत्पाद की सेवाएं लेने के लिए आकर्षित करना, जिसे वे हर हाल में इस्तेमाल करना चाहते हैं।

हुमा कुरैशी अभिनीत 'सिंगल सलमा' 31 अक्टूबर को रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी अभिनीत फिल्म 'सिंगल सलमा' बड़े पर्दे पर 31 अक्टूबर को रिलीज होगी। निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'कॉमेडी कपल' और 'गच्ची' जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए अपनी पहचान बनाने वाले नचिकेत सामंत ने इस फिल्म को निर्देशित किया है तथा इसमें सनी सिंह और श्रेयस तलपड़े भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कुरैशी ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर फिल्म के एक पोस्टर के साथ यह घोषणा साझा करते हुए लिखा, ''लखनऊ और लंदन - दो शहर, दो लड़के और एक सवाल - आखिर कौन बनेगा 'सिंगल सलमा' का बलमा, किस्से होगी सलमा की शादी। ट्रेलर कल आएगा। फिल्म रिलीज 31 अक्टूबर को होगी।''

मुदस्सर अजीज, अमीना खान और रवि कुमार द्वारा लिखी गई यह कहानी एक महिला सलमा (कुरैशी द्वारा अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में सलमा अपने परिवार का सहारा बनने के लिए जिंदगी भर काम करती है; हालांकि उसकी पहचान अब भी एकल है क्योंकि वह अविवाहित है और स्थिर नहीं है। यह फिल्म 'वायकॉम18 स्टूडियोज' द्वारा 'एलेमेन3 एंटरटेनमेंट' के सहयोग से प्रस्तुत की जा रही है। हाल में 19 सितंबर को रिलीज हुई फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में कुरैशी ने अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेता अरशद वारसी के साथ अभिनय किया है तथा फिल्म का निर्देशन सुभाष कपूर ने किया है।

'स्पाइडर-मैन' शृंखला की फिल्में भारतीय सिनेमाघरों में पुन: रिलीज होंगी

नयी दिल्ली/एजेन्सी

सोनी पिक्चर्स ने सोमवार को घोषणा की कि वे नवंबर और दिसंबर के महीनों में भारत के सिनेमाघरों में सभी स्पाइडर-मैन फिल्मों को फिर से रिलीज करेंगे। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंडिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्मों के कोलाज और प्रत्येक फिल्म की तारीखों के साथ यह खबर साझा की। कैप्शन में लिखा था, पुरानी यादों में वापस लौटें, सभी 'स्पाइडर-मैन' फिल्में नवंबर और दिसंबर में भारत के सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही हैं। स्पाइडर-मैन (2002), स्पाइडर-मैन 2 (2004) और स्पाइडर-मैन 3 (2007) 14 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। इसके बाद 21 नवंबर को द अमेजिंग स्पाइडर-मैन (2012) और द अमेजिंग स्पाइडर-मैन 2 (2014) फिर से रिलीज होगी। फिल्में स्पाइडर-मैन: होमकमिंग (2017), स्पाइडर-मैन: फार फ्रॉम होम (2019) और स्पाइडर-मैन: नो वे होम (2021) 28 नवंबर को फिर से रिलीज होंगी। स्पाइडर-वर्स: द एनिमेटेड मल्टीवर्स 5 दिसंबर को फिर से रिलीज होगी। सोनी पिक्चर्स के महाप्रबंधक और प्रमुख शोनी पंजीकरण ने कहा कि स्पाइडर-मैन दुनिया के सबसे स्थायी और प्रेरणादायक पात्रों में से एक है। उन्होंने एक बयान में कहा, स्पाइडर-मैन की सभी फिल्मों को भारतीय सिनेमाघरों में वापस लाना उन प्रशंसकों का सम्मान करने का एक तरीका है जिन्होंने दशकों से इस पात्र को प्यार किया है।

अंग्रेजों ने नहीं, भारतीय सैनिकों ने हमें ओटोमन से आजाद कराया: हाइफा शहर के मेयर

हाइफा/भाषा। इजराइल के शहर हाइफा ने सोमवार को शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मेयर ने कहा कि शहर के स्कूलों की इतिहास की किताबों में यह सुधार किया जा रहा है कि शहर को ओटोमन शासन से आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय सैनिक थे। हाइफा के मेयर योना याहव ने कहा, ''मैं इसी शहर में पैदा हुआ और यहीं से स्नातक किया। हमें लगातार यही बताया जाता था कि इस शहर को अंग्रेजों ने आजाद कराया था, जब तक कि एक दिन हिस्टोरिकल सोसाइटी के किसी व्यक्ति ने मेरे दरवाजे पर दस्तक नहीं दी और कहा कि उन्होंने गहन शोध किया है और पाया है कि अंग्रेज़ों ने नहीं, बल्कि भारतीयों ने इस शहर को (ओटोमन शासन से) आजाद कराया था।'' उन्होंने यह टिप्पणी शहीद सैनिकों के भारतीय कब्रिस्तान में उनकी बहादुरी को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए की। याहाव ने कहा, ''हर स्कूल में, हम किताबों में बदलाव कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय थे।''

शेखर कपूर ने पूछा, क्या हम आम लोगों से ज़्यादा आदिवासी हैं ?

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म निर्माता और कहानीकार शेखर कपूर हमेशा से दुनिया को देखने का एक अनोखा नजरिया रखते हैं। हाल ही में एक विचार-विमर्श में, उन्होंने एक दिलचस्प और विचारोत्तेजक सवाल उठाया: वे आदिवासी हैं! वे अलग हैं! वे एक टूरिस्ट अट्रैक्शन का केंद्र हैं! पूरी तरह हमसे अलग... सच में? उनका तर्क है कि हम इंसान मूल रूप से आदिवासी हैं। हम कबीलों में इकट्ठा हो जाते हैं, खासकर जब हम डरे हुए होते हैं... और अपनी आदिवासी वफ़ादारी को अपनी समझ से ज़्यादा बार बदलते हैं। राजनीति भी, उनके अनुसार, एक जनजातीय व्यवहार है:यहां तक कि लोकतंत्र भी जनजातीय व्यवहार है देखिए ना, कैसे डेमोक्रेटिक राइट, डेमोक्रेटिक लेफ्ट और मिडिल के बीच गहरी तनाव को देखिए।

चाहे वह कला हो या कॉर्पोरेट मूल्यांकन, शेखर कपूर मानते हैं कि हमारे मूल्य निर्धारण की प्रणाली भी जनजातीय सोच के पैटर्न से चलती है। हम इसे 'दुर्लभता' (िलरीलळीं) जैसे नाम देते हैं, लेकिन सच में किसी पेंटिंग की कीमत तभी होती है जब कोई खास 'जनजाति' उसे मूल्यवान मानती है और कंपनियों के तथाकथित मूल्यांकन में अचानक वृद्धि... यह आदिवासी व्यवहार ही है जो ऐसे मूल्यांकनों को जन्म देता है जिनका वास्तव में एक विश्वास प्रणाली के अलावा कोई सच्चा वित्तीय आधार नहीं होता। उनका सुझाव है कि यह व्यवहार हमें रोजमर्रा की ज़िंदगी में भी दिखता है। जुहू में जब मैं पैदल होता हूँ, तो गाड़ियों को कोसता हूँ एक 'पैदल जनजाति' का सदस्य बनकर लेकिन जब मैं गाड़ी चला रहा होता हूँ, तो पैदल चलने वालों पर हॉर्न बजाता हूँ। देखिए, हम कितनी जल्दी अपनी जनजाति बदल लेते हैं!

शेखर कपूर हमारे मन में एक विचार छोड़ते हैं जो देर तक मन में गूंजता है: यदि हमारी पहचान हर उस समुदाय के साथ बदलती रहती है जिसमें हम शामिल होते हैं, तो शायद उनका सबसे तीखा सवाल भी सबसे सरल है - क्या हम व्यक्ति से अधिक आदिवासी हैं? शेखर कपूर अपने शुरुआती दिनों को याद करते हैं, जब वे लंदन में चार्टर्ड अकाउंटेंट की पढ़ाई कर रहे थे, तब उन्होंने पहली बार वहां के वित्तीय ज़िलों में पुरुषों की समानता को गौर से देखा। उन्होंने लिखा, मैं वित्तीय ज़िलों के पुरुषों को देखकर बहुत प्रभावित हो गया था, जो एक ही तरह से चलते थे, एक जैसे बाउलर हैट और काले सूट पहनते थे अपने 'ब्रॉली' (छाते) को कसकर लपेट कर रखते थे, एक भी किनारा इधर-उधर नहीं। कोई एक-दूसरे को देखता तक नहीं था... और कम्यूटर ट्रेनों में... वे फ़ाइनेंशियल टाइम्स के पन्ने भी ख़ास अंदाज़ में पलटते थे... यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी सिलवट अपनी जगह से हटी न हो...।

ऑस्कर के लिए भेजी गई फिल्म 'होमबाउंड' की बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक शुरुआत

मुंबई/एजेन्सी

भारत की आधिकारिक ऑस्कर प्रविष्टि 'होमबाउंड' शुक्रवार 26 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज़ हो गई। जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा स्टारर इस फिल्म का पहला दिन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ चुका है। ऑस्कर रेस में भारत की 24 फिल्मों पर विचार किया गया था। इस सूची में अभिषेक बच्चन की 'आई वांट टू टॉक', 'पुष्पा 2', 'द बंगाल फाइल्स', 'जुगनुमा' और 'फुले' जैसी फिल्में शामिल थीं। इन सभी में से 'होमबाउंड' को चुना गया। नीरज घायवान के निर्देशन में बनी 'होमबाउंड' ने रिलीज़ के पहले दिन देशभर में आधे करोड़ रुपये से भी कम की कमाई की। यह फिल्म भारत की ओर से ऑस्कर के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर श्रेणी में आधिकारिक प्रविष्टि है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'होमबाउंड' ने भारत में पहले दिन लगभग 30 लाख रुपये का कारोबार किया है। फिल्म का ओपनिंग कलेक्शन ईशान खट्टर की 'धड़क' से काफी कम रहा, जिसने पहले दिन 8.71 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं, 'फोन भूत' का पहला दिन 2.05 करोड़ रुपये और विशाल जेठवा की 'सलाम वेंकी' का कलेक्शन 45 लाख रुपये रहा था।

यह फिल्म उत्तर भारत के एक छोटे से गांव से जुड़े दो बचपन के दोस्तों की दास्तान बयां करती है। दोनों अपनी जिंदगी सुधारने और समाज में पहचान बनाने के लिए पुलिस की नौकरी पाने का सपना देखते हैं। लंबे संघर्ष और मेहनत के बाद यह नौकरी उन्हें न सिर्फ रोज़गार बल्कि सम्मान और गरिमा भी दिलाती है। अभिनेत्री जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर अभिनीत 'होमबाउंड' का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। इस फिल्म का निर्देशन नीरज घायवान ने किया है।

कृष्णा श्रॉफ: जनता की छोरी और छोरियां चली गांव की धड़कन

मुंबई/एजेन्सी

ज़ी टीवी के नवीनतम रियलिटी शो छोरियाँ चली गाँव में अगर कोई एक प्रतियोगी लगातार अपनी प्रतिभा साबित कर रही है, तो वह कृष्णा श्रॉफ हैं। पूरे सीज़न के दौरान कृष्णा ने न सिर्फ़ भाग लिया, बल्कि उन्होंने शो पर राज किया। रिकॉर्ड तोड़ नौ बार छोरी नंबर 1 का खिताब जीतने वाली, वह अब तक की सबसे प्रसिद्ध घर की सदस्य थीं, और उन्होंने किसी भी अन्य प्रतियोगी की तुलना में सबसे ज़्यादा बार यह खिताब जीता। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्हें बसेरा की अंतिम मालकिन घोषित किया गया, जिससे उनकी यात्रा एक उच्च स्तर पर समाप्त हुई, जिसने उनके नेतृत्व, ताकत और पूरे शो में उनकी मज़बूत उपस्थिति को और भी ज़ोरदार ढंग से दर्शाया।

कृष्णा की यात्रा को और भी प्रेरणादायक बनाता है उसका शुरुआती बिंदु। जब कृष्णा बमुलिया गांव आईं, तो उन्हें ग्रामीण जीवन का कोई अनुभव नहीं था। न कोई पूर्व जानकारी, न कोई मार्गदर्शन। लेकिन शून्य से शुरू करके, उन्होंने जिस तरह पूरे दिल से गांव, उसकी रीति-रिवाजों और उसके लोगों को सहजता और पूरे दिल से अपनाने तक, कृष्णा का परिवर्तन उल्लेखनीय से कम नहीं था। शो के शुरुआती एपिसोड में से एक में, कृष्णा ने एक विशेष रूप से भावुक कर देने वाले टास्क के बाद कहा था कि जो कृष्णा इस शो में आई है, वह जाते समय बिल्कुल अलग होगी। और अपने शब्दों के अनुसार, उसने खुद को पूरी तरह से 'छोरियाँ चली गाँव' (शो) में डुबो दिया और इसके बदले में गांव वालों का भरोसा और स्नेह अर्जित किया। हर मायने में, कृष्णा जनता की छोरी बन गईं शो की असली भावना को जीती हुई। और आँकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। सेट पर मौजूद एक सूत्र के अनुसार, कृष्णा ने उन तीनों गाँवों में वोटों में बढ़त हासिल की जहाँ फाइनलिस्टों ने प्रचार किया था, जिसमें बमुलिया भी शामिल था, वही गाँव जिसे वे शो के दौरान अपना घर कहते थे। उन्होंने न केवल टास्क जीते, बल्कि दिल भी जीते, चाहे वो गांवों में ऑफलाइन हो या इंटरनेट पर मौजूद दर्शकों के बीच। अपनी लगातार शानदार परफॉर्मेंस, भावनात्मक विकास और हर चुनौती को ज़मीन से जुड़े तरीके से स्वीकारने के कारण, कृष्णा श्रॉफ सबसे योग्य फाइनलिस्ट बनकर उभरीं एक ऐसी कंटेस्टेंट जिन्होंने सिर्फ शो में टिके रहने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसमें खुद को ढाल कर, उसे जिया और एक ऐसी विरासत छोड़ी जो दृढ़ता, विनम्रता और जुड़ाव पर आधारित है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

विनय और विवेक का अभाव आंतरिक दरिद्रता की निशानी है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने सोमवार को आयोजित श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर प्रवचन के दौरान कहा कि महापुरुषों ने जो उपदेश दिया है उसका प्रयोजन यश –प्रसिद्धि व विश्व का नेता बनने की कामना नहीं बल्कि प्राणी मात्र के कल्याण व आत्मोथान की पवित्र भावना रही है। इस संसार मे चारों तरफ कषायों का दावानल सुलग रहा है इस सुलगते दावानल से बचाने में वीतराग वाणी ही कारगर सिद्ध हो सकती है।

मुक्ति का संबंध किसी जाति वर्ग, लिंग, पंथ–संप्रदाय से नहीं बल्कि कषायों से छुटकारा पाने से है अतः प्रत्येक साधक का लक्ष्य कषायों का उपशमन करके वीतरागता का प्राप्त करने का होना चाहिए। जिसका लक्ष्य वीतरागता को पाने का होता है वह छोटी छोटी बातों में या व्यर्थ की बातों में अपने कीमती समय और ऊर्जा का जाया नहीं करते ठीक वैसे ही जैसे बड़े बड़े योद्धा–विजेता छोटी छोटी बातों पर लड़ते झगड़ते नहीं। जिनकी आंखों के सामने बड़ा लक्ष्य होता है वह मार्ग की बाधाओं पर ध्यान नहीं देते हैं। दृढ़ संकल्पित होकर मंजिल को पाना ही उनका एक मात्र ध्येय होता है फिर मार्ग में आने वाली बाधाएं भी उन्हें विचलित नहीं कर पाती।

मुनिश्री ने कहा कि अपनी सोच मान्यता और पंथ सम्प्रदाय का आग्रह कर लेने से आत्मा का उत्थान नहीं होगा बल्कि कषाय से मुक्त होने की साधना से मोक्ष मार्ग प्रशस्त होगा। मुनिश्री ने कहा कि स्वाध्याय परम तप है एक ऐसा तप जो आत्मा का तत्काल पवित्र करे। विचार शुद्धि का सशक्त माध्यम है स्वाध्याय। स्वाध्याय के 5 भेद – वाचना, पृच्छना ,परिवर्तना, अनुप्रेक्षा और धर्मचर्चा की चर्चा करते हुए मुनिश्री ने धर्म कथा रूप स्वाध्याय के महत्व को विस्तार से समझाया।

इस मौके पर सुभाषचंद रांका, ताराचंद दूगड़, महेन्द्र बैद,गौतमचंद सेठिया, विमलचंद सुराणा, अशोक कांकरिया, महावीर तालेड़ा, सन्तोष सुराणा, सुदेश भंसाली, सी. महावीरचंद कोठारी, सूरज छाजेड, हरीश गादिया, राजकुमार चौरड़िया आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि इसके पूर्व वीर स्तुति और उत्तराध्ययन सूत्र का मूल पाठ वांचन किया गया। संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने धर्मसभा का संचालन किया।

आहार का विचारों के साथ गहरा संबंध है : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत श्री कमल मुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा किआत्मा में सच्ची शांति विचारों में निर्मलता और साधनामें परम आनंद की अनुभूति करने के लिए, जब तक सात्विक आहार को नहीं अपनाया जाएगा तब तक चारों धाम की यात्रा कर लें या करोड़ों का दान कर दें, या संत बन जाएं फिर भी लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती है। नवरात्रि के आठवें दिन शताब्दी गौरव उपाध्याय गुरुदेव मूलचंदजी म. सा. की पुण्यतिथि पर संबोधित करते कहा कि आहार का विचारों के साथ गहरा संबंध है। कहा गया है 'जैसा खावे अन्न वैसा होवे मन'। इसको कभी नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आहार सिर्फ आहार नहीं है बल्कि वह औषधि का काम भी करता है। तामसिक आहार से शरीर बीमारी का घर बनता है विचारों में उत्तेजना आने से राक्षस प्रवृत्ति का निर्माण होता है। सात्विक आहार से ही सतों के गुण का संचार आत्म भाव में होगा। विश्व के सभी महापुरुषों ने सात्विक आहार को अपनाते हुए जीवन में इसको प्राथमिकता दी। एवं सभी को अपनाने के लिए प्रेरित किया उससे करुणा दया वात्सल्य मानवी भावों का निर्माण होगा।

उन्होंने कहा कि हथियारों से विश्व शांति नहीं आएगी सात्विक विचार और सात्विक आहार उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी तामसिक आहार के दुष्परिणाम बात कर सजक और सावधान किया है।उन्होंने कहा कि गरिष्ठ भोजन भी तामसिकता की जननी है। शाकाहार सबसे उत्तम आहार है इसमें पौष्टिक तत्व भी भरपूर मात्रा में होते हैं जिसमें रोग नियंत्रण की क्षमता है।

अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली बिहार शाखा के अध्यक्ष मनोज कुमार राजगृही ने बताया कि मुनि कमलेश ने महावीर की साधना स्थली चौथा पहाड़ राजगीरी में स्वर्णागिरी को 2007 में नक्सल वादियों से मुक्त कराया। पुनः यात्रा प्रारंभ हुई सरकार ने अरबों रुपए उसके विकास के लिए लगा दिए हैं। बिहार सरकार ने राष्ट्रसंत को राजगुरु से सम्मानित किया वहां पर राष्ट्र जैन संत कमल मुनि कमलेश विद्यालय प्रारंभ हुआ। जिसमें 400 विद्यार्थी अध्ययन करते हैं, ने जिले में प्रथम स्थान पाया है।

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रकाश खींवेसरा, मंत्री संजय पिंचा, कोषाध्यक्ष जितेंद्र भंडारी, दिलीप गादीया ने अतिथियों का स्वागत किया।

अरिहंत पद की आराधना से खुलते हैं आत्मशुद्धि के द्वार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के सान्निध्य में नवपद ओली पर्व का शुभारंभ भक्तिभाव से हुआ। आचार्यश्री ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि अरिहंत और सिद्ध पद पंच परमेष्ठि के केंद्र में हैं। उपाध्याय, आचार्य और साधु को संभालते हैं, इसलिए वे गुरु–तत्त्व का केंद्र हैं, इसलिए साधु–पद की निंदा विराधना के समान है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अरिहंत उपासना में भाव का विशेष महत्व है। अरिहंत न होते तो न संघ होता, न ही शासन। अरिहंत परमात्मा में चार अनंत गुण, अनंतज्ञान, अनंतदर्शन, अनंतचारित्र और अनंतबलवीर्य और आठ प्रातिहार्य, अशोक वृक्ष, सुर–पुष्पवृष्टि, दिव्य–ध्वनि, चामर, आसन, भामंडल, दुंदुभि और छत्र की अनुपम शोभा विद्यमान है।

आचार्यश्री ने कहा, भाव मुद्रा में बैठने से क्रोध, मान, माया, लोभ जैसे कषाय नहीं उपजते। अभेदभाव से भगवान की प्रतिमा जीवंत अनुभव होती है, भेदभाव आने पर वह मात्र पत्थर लगती है। जहां अपनापन होता है, वहां सब दिव्य दिखाई देता है।

उन्होंने मन की वास्तविकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन मैला, चंचल और अज्ञान है। साधना में केवल एकांत पर्याप्त नहीं, बल्कि मन का नियंत्रण आवश्यक है। हमारा मन सोचता कुछ है और करता कुछ है। उन्होंने उदाहरण द्वारा स्पष्ट कहा कि मन मैला है, उस पर भरोसा मत करो। तन कहीं, मन कहीं, यह मन की चंचलता है। मन अज्ञानी हैं। ज्ञानी पुरुष काल, द्रव्य, भाव, क्षेत्र से चलता है। भगवान को दिव्यात्मक, गुणात्मक स्वरूप और प्रभाव दृष्टि से देखना है। भगवान के गुण, क्षमा और विनय भाव को दृष्टिगत करने से धर्म प्रभावकारी होता है। आचार्यश्री ने प्रेरणा दी कि आज प्रत्येक साधक को अरिहंत पद की आराधना करनी चाहिए। दूसरों का परार्थ करना चाहिए, क्योंकि छोटा–सा परार्थ भी तीर्थंकर गौत्र बंध में सहायक हो सकता है। प्रवचन के अंत में संघ की ओर से मुमुक्षु सोनाली और मुमुक्षु खुशी का सम्मान किया गया।

दक्षिण रेलवे में राजभाषा की दशा एवं दिशा पर बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल रेल प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में 29 सितम्बर को हुई राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक हुई।

बैठक के दौरान सहायक साहित्य 'रोज़ एक हिंदी शब्द सीखें' का प्रकाशन मंडल रेल प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंदक अंकुर चौहान व अमुराधि एवं अन्य शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

इस मौके पर मंडल रेल प्रबंधक ने टिप्पण व आलेखन एवं हिंदी वार्तालाप (गैर हिंदी भाषी) कर्मचारियों को पुरस्कृत किया। बैठक में राजभाषा हिंदी की मदों पर अधिकारियों के साथ एक गंभीर और सुदीर्घ चर्चा की गई। बैठक ने अश्वस्त किया की दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल में राजभाषा हिंदी के दशा और दिशा और भी सुदृढ़ की जाएगी।

बैठक का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी बिनीता सोय ने किया।

मदुरै राजस्थान राजपूत समाज की नई कार्यकारिणी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। राजस्थान राजपूत समाज की साधारण सभा स्थानीय माताजी मन्दिर प्रांगण में आयोजित हुई। जिसमें सर्व सहमति से दो साल के लिए नए पदाधिकारियों का चयन किया गया।

मदुरै प्रवासी राजस्थानी समाज प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि नई कमेटी में अध्यक्ष हुकुमसिंह दहिया ओटवाला, उपाध्यक्ष मोड़सिंह चौहान बागोड़ा, कोषाध्यक्ष अभयसिंह चौहान वालेरा, सचिव अभयसिंह दहिया सुराणा, सह सचिव गणपतसिंह चौहान पादरा, अलावा कमेटी सदस्य नरपतसिंह दहिया पुनावा, चन्दनसिंह दहिया ओटवाला, चन्दनसिंह चौहान आसाना, हीरसिंह राठौड़ भाडू, मदनसिंह चौहान मोरसीम, विक्रमसिंह राठौड़ बोरटा को सम्मिलित किया गया।

आयंबिल दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा के सान्निध्य में सुमति प्रकाश म.सा. की जयंती के उपलक्ष्य में आयंबिल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुनिश्री ने बताया कि उस महापुरुष ने जीवन भर आयंबिल की तपस्या की, लगभग 50 वर्षों तक, यानी पूरी जिंदगी संयम और साधना में व्यतीत की। आज से आयंबिल ओली की भी शुरुआत की गई। मुनिनी ने प्रवचन में आयंबिल के महत्व, महामंत्र नवकार की महिमा और श्रद्धा से की गई साधना के प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन दिनों में श्रीपाल चरित्र का वाचन होता है।

मुनिश्री ने समझाते हुए कहा कि जीवन का सबसे बड़ा उलझा हुआ मामला ओनरशिप का होता है। इसी के कारण रिश्ते दोस्ती से दुश्मनी में बदल जाते हैं। दुनिया इतनी स्वार्थी है कि पैसे और पद के लिए कुछ भी कर सकती है। जीवन में देखना कि सबसे ज़्यादा परेशान करने वाले हमारे अपने ही होते हैं! क्योंकि धोखा तो सगा ही देता है। ऐसे हालात में संभलकर रहना कठिन हो जाता है।

मुनिश्री ने कहा कि आगामी प्रवचनों में श्रीपाल चरित्र का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

श्री राम भक्त हनुमान पर हुए सवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमाला। तिरुमाला में चल रहे वार्षिक ब्रह्मोत्सव के छठे दिन हनुमंत वाहन सेवा का आयोजन किया गया। यह वाहन सेवा सोमवार को सुबह हुई। जिसमें श्री मलयप्पा स्वामी को श्री कोदंड राम के रूप में सुसज्जित कर हनुमान वाहन पर जुलूस निकाला गया, तथा मंदिर शहर के चार माडा मार्गों पर भक्तों को आशीर्वाद दिया गया। यह सेवा श्री राम और हनुमान के बीच के अटूट बंधन का प्रतीक है और भक्तों द्वारा इसे अत्यधिक आध्यात्मिक उत्थान का क्षण माना जाता है। हनुमान जी को भक्तों में अग्रणी माना जाता है तथा वे अपनी निःस्वार्थ भक्ति और सेवा के लिए पूजनीय हैं।

यह वाहन सेवा वेदांतिक शिक्षाओं और गुरु (राम) और शिष्य (हनुमान) के बीच एकता पर जोर देती है, तथा भक्ति और समर्पण के आदर्श गुणों पर प्रकाश डालती है। तिरुमाला के ईओ अनिल कुमार सिंघल, जेईओ वीरब्रह्मम और अन्य भी उपस्थित थे।

विद्वत्ता और विनम्रता के संगम है डॉ. धींग : कांकरिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा, कोलकाता के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी सरदारमल कांकरिया ने सोमवार को यहां कोट्टुरपुरम स्थित ओलंपिया पार्क में कहा कि डॉ. दिलीप धींग विद्वत्ता और विनम्रता के संगम हैं। प्रमुख विद्वानों में इनकी गणना होती है। डॉ. धींग ने अपने नवीन प्रकाशनों के बारे में बताया।

उन्होंने डॉ. धींग की साहित्यिक सक्रियता और अकादमिक उपलब्धियों की सराहना की। कोलकाता में अनेक शिक्षण संस्थानों (स्कूल, कॉलेज) और चिकित्सालयों के स्वप्नद्रष्टा और संस्थापक हैं 98 वर्षीय सरदारमल कांकरिया।

भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में हिंदी पखवाड़े का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में हिन्दी पखवाड़े का समापन किया गया। निगम के उप महाप्रबंधक(क्षेत्र) गगन कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक(राजभाषा) अरुण कुमार एवं उप महाप्रबंधक(वित्त व लेखा) गौरव सक्सेना उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में डीआरबीसीसीसी हिन्दु महाविद्यालय के हिन्दीविभागाध्यक्ष एवं सहायक प्रोफेसर डॉ सी.मणिकण्ठन उपस्थित थे। सहायक श्रेणी2 (तकनीकी) पी दीपिका ने ईश वंदना कर सभी का स्वागत किया।

स्वागत भाषण में सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) धीरेंद्र सिंह बोनाल, ने कहा कि हिंदी पखवाड़े के दौरान अंत्याक्षरी, समाचार पत्र पठन, हिंदी टिप्पण एवं आलेखन, हिंदी प्रश्नोत्तरी एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में कार्मिकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। जिससे उनके हिंदी कार्य के प्रति मनोबल बढ़ेगा। यह मेरा अटूट विश्वास है।

उपमहाप्रबंधक राजभाषा अरुण कुमार ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से कहा कि वे अपने कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक करें एवं साथ–साथ क्षेत्रीय भाषा में समन्वय कर राजभाषा में कार्य करना आसान हो जाता है। हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं कार्मिकों के बीच उत्सव की माहौल उभरकर सामने आया है, जो कामकाज में भी प्रतीत होगा, ऐसा मेरा मानना है।

मुख्य अतिथि डॉ सी मणिकण्ठन ने राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के फर्क को बारीकी से समझाया और हिंदी को पूरे देश में एक सूत्र में बांधने वाली सेतु बताया। उपमहाप्रबंधक गगन कुमार मिश्रा ने तमिल और हिंदी की समृद्धता के बारे में बात रखी। कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन हमें हिंदी भाषा के प्रति जागरूक करता है और इसके प्रयोग को बढ़ावा देता है। हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक राजभाषा कुणाल कुमार गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ राजभाषा सहायक लोकेश कुमार शाह के आर द्वारा दिया गया।

मंत्री कृष्णा बैरेगौड़ा ने किए माता के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यलहंका के कट्टगनहल्ली बागलूरु क्षेत्र में चल रहे नवरात्रि महोत्सव के तहत नवदुर्गा पूजा समिति पंडाल में कर्नाटक के राजस्व मंत्री एवं क्षेत्र के विधायक कृष्णा बैरेगौड़ा ने 29 सितम्बर को मातारानी के दर्शन किए। मंत्री गौड़ा ने यहां रेवा कॉलेज के समक्ष स्थित ग्राउन्ड के पंडाल में मातारानी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पंडित डॉ. प्रशांत झा और डॉ. विवेक झा ने विधिविधान से पूजन करवाया। मंत्री का स्वागत समिति के अध्यक्ष कमलेश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीपाल सिंह राणा, मंत्री अनिलकुमार, संयोजक बीके सिंह आदि ने किया। आज जगतजननी माता दुर्गा की मूर्ति का नेत्र खोलकर प्रतिष्ठा कराई गई। मंत्री अनिलकुमार ने बताया कि पंडाल में 30 सितम्बर में मातारानी की सुबह गोद भराई का और रात्रि में डांडिया का आयोजन किया जाएगा। 1 अक्टूबर को महाभोग, हवन होगा। 2 अक्टूबर को दोपहर में विजय दशमी मनाते हुए विसर्जन यात्रा निकाली जाएगी।

नर्स की हत्या के बाद पति ने लगाई फांसी

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक नर्स की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या करने के बाद उल्लाल स्थित अपने घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे प्रकाश में आई। रात को पीड़िता के पिता पेरियास्वामी अपने रिश्तेदारों के साथ तुमकुरु से लौटे और उन्होंने सरकारी प्रेस लेआउट स्थित अपने घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया था।

घर के मालिक से अतिरिक्त चाबी प्राप्त करने के बाद वे अंदर गए जहां उनकी बेटी मंजू (27) और उसके पति धर्मसीलन (29) के शव एक ही कमरे में थे। पेरियास्वामी ने मंजू का गला रेतकर हत्या करने के मामले में शिकायत दर्ज करवाई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.